A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 03 मार्च, 2026
इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 11 अंक 151, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रु. 2
सुबह सवेरे

04 - जब रंग जीवन का दर्शन बन जाते हैं

05 - टमाटर हो या गुलाल, रंग तो मस्ती का होता है

06 - गुरु के प्रति श्रद्धा और आस्था का अनूठा रंग बालीपुर सरकार के...

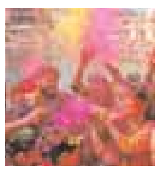
07 - होली से पहले 5 शुभ चीजों को लाएं घर, पूरे साल बना रहेगा...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का किसान कल्याण वर्ष में जनजाति लोक उत्सव भगोरिया के अवसर पर बड़वानी के नागलवाड़ी में आयोजित प्रदेश की पहली कृषि कैबिनेट के आयोजन पर जनजाति बंधुओं ने पारंपरिक रूप से स्वागत किया।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

शरद की सुबह

साजन! होली आई है!
सुख से हँसना
जी भर गाना
मस्ती से मन को बहलाना
पर्व हो गया आज-
साजन! होली आई है!
हँसाने हमको आई है!

साजन! होली आई है!
इसी बहाने
क्षण भर गा लें
दुखमय जीवन को बहला लें
ले मस्ती की आग-
साजन! होली आई है!
जलाने जग को आई है!

- फणीश्वर नाथ रेणु

ईरान के हमले से अमेरिकी बेस दहले

● *कुवैत में कई अमेरिकी फाइटर जेट क्रैश, कतर-बहरीन पर भी अटैक*

सऊदी अरब में अरामको की रिफाइनरी पर हमला, बेहद तनाव जारी

तेल अवीव/तेहरान (एजेंसी)। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग का सोमवार को तीसरा दिन था। ईरान ने साइप्रस में ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के अक्रोटिरी बेस पर ड्रोन हमला किया है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, रविवार देर रात हुए इस हमले में बेस को मामूली नुकसान पहुंचा, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। इसके जवाब में ब्रिटिश सेना कार्रवाई कर रही है। दरअसल, ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने ईरानी मिसाइल साइट्स पर हमले के लिए अमेरिका को इस बेस का इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी। ईरान ने सोमवार को मिडिल-ईस्ट के 4 देशों में 6 अमेरिकी बेस पर हमला किया है। कुवैत में अमेरिका के कई फाइटर जेट क्रैश हो गए हैं। जेट हवा में गोल-गोल घूमने के थोड़ी देर बाद जमीन से टकरा गए। हालांकि, इसमें किसी मौत की नहीं हुई है। दूसरी ओर ईरान के टॉप नेशनल सिक्योरिटी अधिकारी अली लारीजानी ने सोमवार को कहा कि ईरान अमेरिका से कोई बातचीत नहीं करेगा। यह बयान उन खबरों के जवाब में आया है, जिनमें कहा गया था कि ईरान ने अमेरिका से फिर से बातचीत शुरू करने की कोशिश की है। अल-जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और इजराइल ने मिलकर अब तक ईरान के 1000 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए हैं। इस दौरान शुरुआती 30 घंटे में 2000 बम गिराए गए। इनमें 555 लोगों की मौत हो चुकी है।

कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात भी धुंआ-धुंआ हुए

ईरान ने इजराइल के अलावा कतर, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात में हमले फिर शुरू कर दिए हैं। दूसरी ओर इस जंग में अब लेबनान का उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह भी शामिल हो गया है। उसने इजराइल में कई जगहों पर बमबारी की है। हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिलता है,

अब उसका कहना है कि वह खामेनेई की मौत का बदला ले रहा है। साइप्रस में स्थित ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर संदिग्ध ड्रोन हमला हुआ है।

जंग की आग में खाड़ी देश तेल अवीव से दुबई तक हमला

● **अयातुल्ला खामनेई की मौत के बाद मिडिल-ईस्ट में भारी तनाव**

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में तनाव अपने चरम पर है। अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर किए हमले के बाद अब यह पूरे खाड़ी देशों में फेल गया है। शनिवार को इजरायल-अमेरिका द्वारा की गई सैन्य अभियान में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद, ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए दुबई, अबू धाबी, दोहा और मनामा समेत कई जगहों पर भी मिसाइल दागनी शुरू कर दी। ईरान द्वारा किए गए पलटवार का आलम यह है कि कतर और बहरीन की राजधानियों के साथ-साथ संयुक्त अरब अमीरात के सबसे अधिक आबादी वाले शहरों में भी विस्फोटों की आवाजें गूंज रही हैं। सोमवार को इजरायली सेना ने नए मिसाइलों के आने की पुष्टि की। जिसके बाद न केवल तेल अवीव में हवाई हमले के सायरन बजे, बल्कि खाड़ी देशों के नागरिक बुनियादी ढांचों, हवाई अड्डों और अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर भी भारी गोलाबारी और ड्रोन हमले देखे गए। ईरान की राजधानी तेहरान पर हुए हमले के तीसरे दिन, तेल अवीव और यरुशलम के ऊपर कई मिसाइलों को रोका गया। वहीं, इराक में एरबिल हवाई अड्डा ईरान का निशाना बना।

ब्रज में होली की धूम, झूम के नाचीं विदेशी महिलाएं

● **देवकीनंदन महाराज ने हाइड्रोलिक पिचकारी से बरसाए रंग**

मथुरा (एजेंसी)। ब्रज में होली की धूम मची है। सोमवार को वृंदावन में हर कोई होली के रंग में रंगा नजर आया। कथा वाचक देवकीनन्दन ठाकुर ने प्रियाकांत जू मंदिर में भक्तों के साथ होली खेली। उन्होंने प्रियाकांत जू के चरणों में रंग अर्पित कर होली की शुरुआत की। इसके बाद हाइड्रोलिक पिचकारी से भक्तों और श्रद्धालुओं पर अबीर-गुलाल उड़ाया। जैसे ही महाराज ने होली के रसिया गाने शुरू किए, पूरा मंदिर परिसर जयघोष से गूंज उठा। वहीं, प्राचीन गोपीनाथ मंदिर में निराश्रित और विधवा माताओं के लिए विशेष होली का आयोजन किया गया। 1000 से अधिक विधवा और निराश्रित महिलाएं होली के भजन पर अबीर-गुलाल उड़ाकर जमकर नाचते-झूमते नजर आईं। बुजुर्ग और बेसहारा महिलाओं के साथ विदेशी महिलाएं भी झूमती नजर आईं। विदेशी पर्यटकों ने कहा कि यह अद्भुत अनुभव है और उन्हें बहुत आनंद आ रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसी होली उन्होंने पहले कभी नहीं देखी और इस तरह के आनंद की अनुभूति उन्हें पहली बार हुई। सुलभ इंटरनेशनल द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में 20 क्विंटल फूल और 25 क्विंटल गुलाल की व्यवस्था की गई थी। ब्रज में होली खेलने का अलग-अलग रंग देखने को मिल रहा। कोई फूलों की होली खेल रहा तो कोई अबीर-गुलाल उड़ाकर सूखी होली। प्रियाकांत जू मंदिर में देवकीनंदन ठाकुर के साथ श्रद्धालुओं ने फॉग वाली होली खेली। प्रिया कंजू मंदिर में आयोजित भव्य होली महोत्सव के दौरान प्रसिद्ध कथावाचक ठाकुर देवकीनंदन महाराज ने श्रद्धालुओं को महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि प्रेम, मर्यादा और सामाजिक समरसता का पर्व है। देवकीनंदन ठाकुर ने बताया- आज विशेष उत्सव है। होली का आनंद है। इस आनंद का हम सभी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने सभी से नो मांस, नो मदिरा का संकल्प लेने की अपील की और कहा कि नशा व असंयम होली के पवित्र स्वरूप को बिगाड़ देते हैं।

16 योजनाओं पर 28,000 करोड़ खर्च करेगी सरकार

वरला-पानसेमल सिंचाई प्रोजेक्ट मंजूर, भगोरिया हाट में सीएम ने ताड़ी के बारे में पूछा, बोले-मैं तो अनाड़ी हूं

बड़वानी/सेंधवा (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में प्रदेश की पहली कृषि कैबिनेट बैठक सोमवार को बड़वानी जिले के नागलवाड़ी स्थित शिखरधाम में हुई। भीलटदेव मंदिर की तलहटी पर बने 8 एकड़ के गार्डन को अस्थायी मंत्रालय का स्वरूप दिया गया था। इस विशेष बैठक में करीब 25 मंत्री शामिल हुए, हालांकि कैलाश विजयवर्गीय और प्रहलाद पटेल बैठक में नहीं पहुंचे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में किसान कल्याण वर्ष में जनजाति लोक उत्सव भगोरिया पर बड़वानी के नागलवाड़ी में पहली कृषि कैबिनेट हुई।

मुख्यमंत्री ने 24 फरवरी को विधानसभा सत्र के दौरान इस कृषि कैबिनेट की घोषणा की थी। यह प्रदेश सरकार की छठी डेस्टिनेशन कैबिनेट बैठक रही। बैठक में निमाड़ अंचल के सात जिलों खंडवा, खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर, धार, झाबुआ, आलीराजपुर के कृषि और विकास से जुड़े मुद्दों पर विशेष फोकस रखा गया। कैबिनेट बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के साथ शिखरधाम पहुंचकर बाबा भीलट देव के दर्शन किए। बैठक के बाद छ्टरूजुलवानिया के भगोरिया हाट में शामिल हुए। हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग जुटे। इस दौरान सीएम ने ताड़ी के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि झाड़ से जिसे उतारकर पीते हैं, उसे क्या कहते हैं। मैं तो अनाड़ी हूं नहीं जानता, आप ही बताओ। उसे क्या ताड़ी कहते हैं। कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रही है। इसी उद्देश्य से पर्व के दौरान जनजातीय भाई-बहनों के बीच रहकर लोक संस्कृति के सम्मान के लिए बड़वानी में पहली कृषि कैबिनेट बैठक आयोजित की गई।

कृषि कैबिनेट किसानों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कृषि कैबिनेट नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के विकास के लिए राज्य सरकार की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में किसान, युवा, महिला और गरीब वर्ग के कल्याण के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं।

कैबिनेट ने ये फैसले किए

- किसान कल्याण के लिए 6 विभागों की 16 योजनाओं के लिए 27,746 करोड़ रुपए मंजूर किए।
- वरला और पानसेमल माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना को मंजूरी।
- सरसों फसल को भावांतर योजना में शामिल करने को मंजूरी।
- बड़वानी में आधुनिक नवीन कृषि उपज मंडी बनाई जाएगी।
- बड़वानी में खेतिया कृषि उपज मंडी को आदर्श कृषि उपज मंडी बनाएंगे।
- मछली उत्पादन से जुड़े कारोबार में निवेश को लेकर नई मत्स्य पालन नीति लाएंगे।
- नई नीति में मछली उत्पादकों को कोल्ड चेन में निवेश, मार्केटिंग स्ट्रक्चर तैयार करने, रेफ्रिजरेटेड वैन खरीदने और मछलियों के फीड प्लांट लगाने पर सब्सिडी का प्रावधान होगा।
- महाविद्यालयों में एग्रीकल्चर सब्जेक्ट पढ़ाने की तैयारी।
- भीलटदेव क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा।
- नेशनल शूटिंग चैंपियन वैष्णवी माहुले के पिता को शूटिंग अकादमी के लिए सीएम ने 5 लाख रुपए देने की घोषणा की।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 20 °c
न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 03 मार्च 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

अब नहीं रुकेगी भारत को यूरेनियम की सप्लाई

- कनाडा के साथ हुई डील हुई फाइनल, बड़ी उपलब्धि

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और कनाडा ने साल 2030 तक आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। दोनों देशों ने सोमवार को यूरेनियम आपूर्ति में सहयोग के लिए 2.6 अरब डॉलर के एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए और व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच हुई वार्ता के बाद यह फैसला किया गया। यूरेनियम डील से भारत के सिविल न्यूक्लियर

एनर्जी प्रोग्राम के लिए लंबे समय तक फ्यूल की सप्लाई सुनिश्चित होगी। मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच लॉन्ग टर्म यूरेनियम सप्लाई के ऐतिहासिक डील हुई है। दोनों देश छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर्स और एडवांस्ड रिएक्टर्स पर भी मिलकर काम करेंगे। वार्ता के बाद दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग का करार भी शामिल है। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर सहमति बनी है।

नागपुर फैक्ट्री ब्लास्ट

21 डॉयरेक्टर्स के खिलाफ केस, 9 लोग गिरफ्तार

- दो और घायलों ने इलाज के दौरान दम तोड़, मृतक संख्या 19 हुई

नागपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार को हुए धमाके से घायल दो और लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इससे मृतकों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। उधर, पुलिस ने एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के नौ डॉयरेक्टर्स को गिरफ्तार कर लिया

है। पुलिस ने कंपनी के 21 डॉयरेक्टर्स और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि 23 अन्य घायल श्रमिकों का यहां के अस्पतालों में इलाज चल रहा है। धमाका नागपुर जिले की कटोल तहसील के राउलगांव स्थित खनन और औद्योगिक विस्फोटक निर्माता कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड की डेटोनेटर पैकिंग इकाई में हुआ।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव पर आरएसएस का बयान- संघ ने कहा-युद्ध हो तो सत्य के लिए, न कि स्वार्थ के लिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर संघ की प्रतिक्रिया सामने आई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने पश्चिमी एशिया में जारी तनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम कामना करते हैं कि दुनिया भर शांति स्थापित हो। यदि युद्ध होते भी हैं तो वह सत्य के लिए हो, स्वार्थों के लिए युद्ध न हो।

सिर में गोली लगने से युवक-युवती की मौत

छत पर मिले शव, ऑनर किलिंग की आशंका, आत्महत्या या हत्या की थ्योरी जांच रही नर्मदापुरम पुलिस

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में सोहागपुर के भटगांव में सोमवार सुबह गोली लगने से युवक-युवती की मौत हो गई। ये हत्या है या युवक ने युवती को मारा और फिर खुद गोली मार ली, यह अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। सोहागपुर एसडीओपी संजू चौहान, थाना प्रभारी उषा मरावी, शोभापुर पुलिस चौकी प्रभारी सुरेश चौहान ने मौका-मुआयना किया है। युवती की पहचान रिंकी पुरवइया (21) पिता सुरेश पुरवइया निवासी भटगांव, सोहागपुर के रूप में हुई है। युवक का नाम अरुण पुरवइया (28) है, जो रायसेन के गोरा मचवाई गांव का रहने वाला था। सोहागपुर पुलिस के मुताबिक, शव रिंकी के घर की छत पर बने बाथरूम में मिले हैं। इन्हें सबसे पहले रिंकी के पिता सुरेश पुरवइया ने देखा। उन्होंने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े 12 बजे रिंकी को छत पर देखा था। सुबह 7 बजे जागने पर दोबारा छत पर पहुंचे तो दोनों के शव मिले।

लव अफेयर का शक

युवक और युवती एक ही समाज के थे। वे मोबाइल फोन पर बात करते थे। लव अफेयर की बात सामने आ रही है। शक है कि लड़का उससे मिलने घर आया और छत पर चला गया। युवती अपनी बहन के साथ छत वाले कमरे में सो रही थी। उसके भाई और भाभी दूसरे कमरे में सो रहे थे, लेकिन गोली चलने की आवाज किसी ने नहीं सुनी।

अरुण के हाथ में मिली पिस्तौल- एसपी साईकृष्णा थोटा ने बताया कि कि अरुण और रिंकी के सिर में गोली लगी है। अरुण के हाथ में पिस्तौल भी मिली है। दोनों लाशें घर की छत पर मिलीं। छत से 12 फीट नीचे घर की दीवार की दूसरी तरफ भी खून मिला है। पुलिस अधिकारियों की टीम मौके पर मौजूद है।

एसपी ने बताया कि डॉग स्क्वॉड, एफएसएल ऑफिसर और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट नर्मदापुरम पहुंचे। मौके से सबूत इकट्ठा किए। करीब डेढ़ घंटे तक सबूत इकट्ठा करने के बाद लाशों को पोस्टमॉर्टम के लिए सोहागपुर हॉस्पिटल ले गया। डॉक्टर्स की टीम सोहागपुर में लाशों का पोस्टमॉर्ट्म करेगी।

भारत को स्वर्णिम भारत बनाने में त्योहारों का विशेष योगदान

त्योहारों में रची-बसी भारत की प्राचीन दैवीय संस्कृति को पहचानें

भोपाल (नीलबड़)। ब्रह्मकुमारी के सुख शांति भवन, नीलबड़ में होली पर्व के उपलक्ष्य में एक भव्य आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ संपन्न हुआ। संपूर्ण परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा, रंगों की मधुर आभा और दिव्यता के वातावरण से सराबोर रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों, भाई-बहनों एवं गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत परमात्म स्मृति और दीप प्रज्वलन से हुई। मंच से वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि भारतीय त्योहार केवल सामाजिक उत्सव नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण, चरित्र निर्माण और सांस्कृतिक जागरण के सशक्त माध्यम हैं। यदि हम अपने पर्वों के मूल आध्यात्मिक स्वरूप को समझ लें, तो यही पर्व भारत को पुनः स्वर्णिम युग की ओर ले जा सकते हैं।

सुख शांति भवन की निदेशिका आदरणीय ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी नीता दीदी जी ने अपने ओजस्वी एवं प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि भारत की पहचान उसकी प्राचीन दैवीय संस्कृति से है, और यह संस्कृति हमारे त्योहारों में आज भी सजीव रूप से विद्यमान है। आपके अनुसार होली केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, आत्मजागृति और आत्म परिवर्तन का महान पर्व है। उन्होंने कहा कि होलिका दहन का वास्तविक अर्थ है – अपने भीतर की बुराइयों, नकारात्मक प्रवृत्तियों और विकारों को ज्ञान-अग्नि में समर्पित करना। जब व्यक्ति स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा से संबंध जोड़ता है, तब उसके संस्कार दिव्यता की ओर अग्रसर होते हैं। यही दिव्य संस्कार स्वर्णिम भारत की आधारशिला हैं। उन्होंने सभी को प्रेरित करते हुए कहा कि इस होली पर बाहरी रंगों से पहले अपने मन को शांति, प्रेम, पवित्रता और शक्ति के रंगों से रंगें।

वरिष्ठ राजयोगी भ्राता रामकुमार जी ने अपने प्रभावशाली उद्बोधन में होलिका दहन के गहन आध्यात्मिक रहस्य को अत्यंत सरल एवं प्रेरक शब्दों में स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि 'पहले जलाना और फिर मनाना' जीवन का अटल सिद्धांत है। जब तक मन के विकार – काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार – समाप्त नहीं होते, तब तक आनंद के रंग स्थायी नहीं हो सकते।

उन्होंने आगे कहा कि आज आवश्यकता है कि 'हम त्योहारों को केवल परंपरा नहीं, बल्कि श्रेष्ठ परिवर्तन का अवसर मानें।' यदि प्रत्येक व्यक्ति इस पावन अवसर पर एक भी बुराई त्यागने का सच्चा संकल्प ले ले, तो परिवार में मधुरता, समाज में सौहार्द और राष्ट्र में नैतिकता का वातावरण स्वतः निर्मित हो जाएगा। उनका संबोधन उपस्थितजनों के लिए आत्मचिंतन का सशक्त संदेश बन गया। इस अवसर पर परमपिता परमात्मा शिव की स्मृति में विशेष राजयोग ध्यान कराया गया। बीके पूनम बहन ने सभी को अत्यंत मधुर और गहन ध्यान अभ्यास के माध्यम से स्वयं को परमात्मा के शांति, प्रेम और शक्ति के रंगों से रंगने की विधि सिखाई। ध्यान के दौरान वातावरण पूर्णतः शांत, दिव्य और अनुभूतिपूर्ण हो गया। उपस्थित भाई-बहनों ने आत्मिक शांति और अलौकिक आनंद का अनुभव किया।

कार्यक्रम में बीके साक्षी बहन द्वारा एक प्रेरणादायी आध्यात्मिक गतिविधि कराई गई, 'जिसमें सभी ने अपनी कमियों और बुराइयों को कागज़ पर लिखकर प्रतीक रूप में होलिका के साथ दहन किया।' इस भावनात्मक एवं आत्मस्पर्शी गतिविधि ने उपस्थितजनों को भीतर तक झकझोर दिया और आत्मपरिवर्तन का दृढ़ संकल्प दिलाया।

कार्यक्रम में चैतन्य राधे-कृष्ण स्वरूप की गरिमामयी उपस्थिति ने वातावरण को भक्तिमय और सौंदर्यपूर्ण बना दिया। उनके सान्निध्य में उपस्थित सभी ने आध्यात्मिक उमंग का अनुभव किया। इसके पश्चात फूलों की सुगंधित होली मनाई गई तथा रस एवं हर्बल गुलाल के साथ सादगी, शालीनता और पवित्रता से होली उत्सव संपन्न हुआ। कार्यक्रम का कुशल एवं प्रभावशाली मंच संचालन बीके डॉ. प्रियंका बहन द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और प्रेरणादायी रूप प्रदान किया।

बड़वानी में हॉकी खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए एस्ट्रो-टर्फ की उपलब्ध कराई जाएगी सुविधा

ग्रामीण प्रतिभाओं के प्रोत्साहन के लिए दी जाएगी हर संभव मदद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नागलवाड़ी में आयोजित पहली कृषि कैबिनेट के अवसर पर बड़वानी जिले के प्रबुद्धजनों से भेंट की। उन्होंने एनआरएलएम की लखपति दीदियों, बड़वानी जिले के नेशनल खिलाड़ियों और उन्नत किसानों के अनुभव सुने और उन्हें शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रबुद्धजनों से भेंटकर कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं, ग्रामीणों, किसानों, खिलाड़ियों सहित समाज के सभी वर्गों की प्रगति के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से मदद उपलब्ध करा रही है।

बड़वानी जिले के ग्राम भागसुर की सीमा नरगावे ड्रोन दीदी ने निमाड़ी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि ग्रामीण आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने जैविक खेती और ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण लिया। अब वह अन्य महिलाओं को जैविक खेती करना सिखा रही है। ड्रोन दीदी सीमा ने बताया कि स्व-सहायता समूह से जुड़कर उसकी आय में वृद्धि

तो हुई ही है, साथ ही उसे एक नई पहचान भी मिली है। सीमा ने बताया कि वह गांव में ड्रोन के माध्यम से खेतों में उर्वरक और कीटनाशक का छिड़काव करती है जिससे घंटों का काम अब मिनिटों में होने लगा है और उसे नियमित रूप से आय भी प्राप्त हो रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से चर्चा करते हुए हॉकी की नेशनल खिलाड़ी सुश्री स्नेहा मोहनिया ने बताया कि उसे राष्ट्रीय स्तर पर 2 गोल्ड मेडल और 1 सिल्वर मेडल मिल चुका है। स्नेहा ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बड़वानी में एस्ट्रो-टर्फ की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जिसे उन्होंने स्वीकार करते हुए यह सुविधा उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एयर राइफल शूटिंग की नेशनल खिलाड़ी जुलवानिया निवासी सुश्री वैष्णवी महुले से भी चर्चा की। उन्होंने सुश्री वैष्णवी को राज्य स्तर की शूटिंग अकादमी में प्रशिक्षण दिलाने के लिए निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए।

अफगानिस्तान का पाकिस्तान के नूरखान एयरबेस पर हमला

- तालिबान के मंत्री बोले-हमने डूरंड लाइन पार की, पाक का दावा- 400 अफगान लड़ाके मारे

इस्लामाबाद/काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बीते चार दिनों से लगातार हवाई हमले और गोलीबारी जारी है। तालिबान सरकार का कहना है कि हमने पाकिस्तान के बेहद संवेदनशील नूर खान एयरबेस पर हमला किया है। यह एयरबेस रावलपिंडी में है। इसके साथ ही तालिबान के एक मंत्री ने दावा किया कि उनके लड़ाके डूरंड लाइन पार कर पाकिस्तान की जमीन में घुस चुके हैं।

तालिबान के मुताबिक, क्वेटा और खैबर पख्तूनख्वा के कुछ सैन्य ठिकानों पर भी हमले किए गए हैं। ये कार्रवाई पाकिस्तान की ओर से काबुल, बगराम और अन्य इलाकों में किए गए हवाई हमलों के जवाब में की गई। दूसरी तरफ पाकिस्तान सरकार ने दावा किया है कि अब तक 400 से ज्यादा अफगान लड़ाके मारे जा चुके हैं और सैकड़ों घायल हुए हैं।

पश्चिम बंगाल में जांच के घेरे में 60 लाख वोटर

- मुर्शिदाबाद और मालदा में 19 लाख के डॉक्यूमेंट्स पेंडिंग

भाजपा ने कहा-घुसपैठियों पर कार्रवाई, टीएमसी भी ऐक्टिव

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के बाद शनिवार को फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। लिस्ट के मुताबिक, राज्य के करीब 60.06 लाख वोटर्स के दस्तावेज अभी भी जांच के घेरे में हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या मुस्लिम बहुल और सीमावर्ती जिलों की है। आयोग ने राज्य की मतदाता सूची से कुल 63.66 लाख नाम हटा दिए हैं। बंगाल के कुल वोटर्स की संख्या 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई है। वहीं भाजपा ने इसे 'घुसपैठियों के खिलाफ निर्णायक जंग' करार दिया है।

- **बॉर्डर वाले जिलों में सबसे ज्यादा 'संदिग्ध'**- उत्तर 24 परगना (5.91 लाख), दक्षिण 24 परगना (5.22 लाख) और उत्तर दिनाजपुर (4.80 लाख) जैसे सीमावर्ती जिलों में भी पेंडिंग मामलों की संख्या काफी अधिक है। इसके उलट, राज्य के पहाड़ी और आदिवासी बहुल इलाकों जैसे कालिम्पोंग (6,790) वोटर हटे हैं।

भारतीयों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के...

साथ मिलकर काम करेंगे

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पश्चिम एशिया के हालात बहुत चिंताजनक हैं

इजराइल-ईरान जंग का असर, भारत में 2 दिन में 760+फ्लाइट कैंसिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजराइल-ईरान जंग के कारण बीते दो दिन में भारत में 760+ इंटरनेशनल फ्लाइट्स कैंसिल हो चुकी हैं। सोमवार को भी दिल्ली के दिल्ली एयरपोर्ट पर 87 फ्लाइट कैंसिल रहीं। दिल्ली, मुंबई, कोच्ची, बेंगलुरु, चेन्नई, जयपुर, अहमदाबाद जैसे इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स पर हजारों यात्री फंसे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जंग पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा-पश्चिम एशिया में के हालात चिंताजनक हैं। भारत अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए सभी देशों के साथ मिलकर काम करेगा। हम बातचीत से समस्या का समाधान निकालने के पक्ष में हैं। मोदी ने आज दिल्ली में हैदराबाद हाउस में कनाडा के पीएम मार्ककार्नी से मुलाकात के बाद यह बात कही। इधर, जम्मू-कश्मीर में लगातार दूसरे दिन ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत

पर विरोध प्रदर्शन जारी हैं। श्रीनगर के बेमिना इलाके में सुरक्षाबलों ने प्रदर्शनकारियों पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस भी छोड़ी। कुछ लोगों को हिरासत में लिया। शोपियां, बारामूला, बांदीपोरा में लोगों ने बाजार बंद रखा है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच लगातार दो दिन से जंग और मिडिल ईस्ट के देशों में फंसे भारतीयों को बचाने पीएम मोदी के आवास पर सुरक्षा समिति की बैठक हुई।

बस्तर में माओवादी गलियारे ध्वस्त, विकास की नई सुबह

- 150 नए एफओबी की स्थापना ने तोड़े 14 अभेद्य गलियारे
- एफओबी अब विकास केंद्र बने, स्थानीय लोगों को जोड़ रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बस्तर का जो क्षेत्र सैकड़ों किलोमीटर तक फैले घने जंगलों, दुर्गम पहाड़ों और उफनते नदियों से भरा हुआ है, कभी माओवादियों का अभेद्य किला रहा है। यहां चार दशकों तक माओवादी सक्रिय थे, जहां न सड़कें थीं, न बिजली, और न ही पुल। ताड़मेटला में 76 जवानों के बलिदान और बुर्कापाल जैसे हमले इस बात के गवाह हैं कि बस्तर में माओवादी गतिविधियों का प्रभाव कितना गहरा था। वर्ष 2021 में टेकुलगुडेम में सुरक्षाबलों पर माओवादियों के हमले ने इस स्थिति में पहली बार निर्णायक बदलाव किया। इस हमले के बाद सुरक्षाबलों ने जंगल में स्थायी उपस्थिति बनाने की रणनीति अपनाई। इसके परिणामस्वरूप पिछले चार वर्षों में 150 नए फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) स्थापित किए गए। वर्तमान में बस्तर रेंज में 320 सुरक्षा कैंप और एफओबी सक्रिय हैं, जो छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, और अन्य अर्धसैनिक बलों द्वारा संचालित हैं। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव के अनुसार, माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में नए एफओबी स्थापित करना युद्ध से कम नहीं है। कैंपों के बीच की दूरी लगभग पांच किलोमीटर रखी जाती है ताकि संकट के समय त्वरित सहायता मिल सके। कई क्षेत्रों में पहाड़ काटकर सड़कें बनाई गई हैं। पिछले दो वर्षों में माओवादियों के 14 अभेद्य गलियारों को भेदा गया है। अबूझमाड़, जिसे माओवादियों का सुरक्षित ठिकाना माना जाता था, वहां 18 एफओबी स्थापित कर संगठन की रीढ़ तोड़ दी गई है। इससे माओवादियों की गतिविधियों में कमी आई है।

एफओबी रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा

गेम-चेंजर बने एफओबीइस रणनीति का प्रभाव केवल सुरक्षा तक सीमित नहीं रहा। अब ये कैंप समेकित विकास केंद्र बन गए हैं, जहां सड़क निर्माण, मोबाइल कनेक्टिविटी, बैंकिंग सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर और शिक्षा का विस्तार संभव हुआ है। स्थानीय आबादी अब शासन-प्रशासन से सीधे जुड़ रही है, जिससे ग्रामीणों में विश्वास बढ़ा है और उग्रवादी समर्थन तंत्र कमजोर हुआ है। सुंदरराज पी., पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि सुरक्षा कैंपों की स्थापना ने बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में प्रभावी प्रशासनिक पहुंच सुनिश्चित की है। यह पहल 'मिशन 2026' की दिशा में बस्तर को शांति, विकास और स्थायित्व की ओर ले जा रही है।

मलबे में दबने से मजदूर की मौत

इंदौर। विजयनगर थाना क्षेत्र में शनिवार को निर्माण कार्य के दौरान दर्दनाक हादसा हो गया। तीसरी मंजिल पर बने टॉवर को तोड़ते समय छत का हिस्सा अचानक भरभराकर गिर पड़ा। मलबे में दबने से मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान हरिओम (45) पिता मोहनसिंह निवासी कुलकर्णी का भट्टा के रूप में हुई है। घटना बड़ी भमोरी इलाके की बताई जा रही है, जहां हरिओम अपने साथियों के साथ मकान के ऊपरी हिस्से को तोड़ने का काम कर रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हरिओम तीसरी मंजिल पर बने टॉवर को हथौड़े से तोड़ रहा था। इसी दौरान अचानक छत का हिस्सा ढह गया और वह नीचे गिरते मलबे की चपेट में आ गया। आसपास मौजूद मजदूरों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और उसे बाहर निकाला। ठेकेदार महेश की मदद से उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। घायल अवस्था में हरिओम को एमवाय अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

बदमाशों ने फिर कारों के कांच फोड़े

इंदौर। पुलिस की तमाम सख्ती के बाद भी वारदातें कम नहीं हो रही है। रात में बदमाश घर-दुकान के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने लहे हैं। शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात चंदन नगर थाना क्षेत्र में बदमाशों ने कारों के कांच फोड़ दिए। पांच दिन में यह दूसरी वारदात है। रामानंद नगर स्थित चेतन स्कूल के पास रहने वाले जितेंद्र धारवा ने बताया कि वे सो रहे थे, तभी तेज धमाके की आवाज से उनकी नींद खुली। बाहर निकलकर देखा तो उनकी ट्रेवलर के कांच पूरी तरह चकनाचूर थे। शोर सुनकर आसपास के लोग भी घरों से बाहर आ गए और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। उल्लेखनीय है कि इससे पहले छत्रीपुरा, एरोड्रम और चंदन नगर क्षेत्रों में भी एक दर्जन गाड़ियों के कांच तोड़े जा चुके हैं। उस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों ध्रुव और सावन को गिरफ्तार किया था। इस बार पुलिस को अब तक कोई ठोस सीसीटीवी फुटेज हाथ नहीं लगा है। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बदमाश नशे की हालत में इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

मांस से भरी गाड़ी पकड़ी गई

इंदौर। राऊ इलाके में एबी रोड पर रविवार को पुलिस ने मवेशी के मांस से भरा वाहन पकड़ा। मामले की जानकारी मिलते ही बजरंग दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए और विरोध प्रदर्शन करते हुए हंगामा किया। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर वाहन को जब्त कर थाने पहुंचाया। पुलिस के अनुसार पकड़ा गया ड्राइवर जमील मांस को चंदन नगर से बंबई बाजार ले जा रहा था। जांच के दौरान उसके पास परिवहन और कटाई से संबंधित दस्तावेज भी बरामद हुई हैं। फिलहाल पुलिस इन दस्तावेजों की सत्यता की जांच कर रही है। मामले की पुष्टि के लिए मांस के सैंपल जांच हेतु पशु चिकित्सा विभाग की टीम को बुलाया गया। रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि मांस किस पशु का है और आगे की कानूनी कार्रवाई क्या होगी।

लेजर कटिंग मशीन में कटने से मौत

इंदौर। नेमावर रोड स्थित कारखाने में काम करने के दौरान लेजर कटिंग मशीन की चपेट में आने से मजदूर की मौत हो गई। वह बिना सुरक्षा उपकरण काम कर रहा था। भंवरकुआ पुलिस के अनुसार, मृतक लखन अहिरवार (20) निवासी सतरवास जिला ललितपुर, हाल मुकाम बाबूलाल नगर पालदा है। घटना 3 फरवरी को दोपहर करीब 2.10 बजे श्री नरेश मैकेनिकल वर्क्स पालदा में हुई। मजदूर लखन यहां पर लेजर कटिंग (सीएनसी) मशीन ऑपरेट कर रहा था। इसी दौरान वह मशीन और उसके पिलर के बीच फंस गया। हादसा इतना गंभीर था कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामले में फैक्ट्री संचालक नरेन्द्र जैन पिता मोहनलाल (60) निवासी वैभव नगर के खिलाफ धारा 106(1) के तहत केस दर्ज किया है।

लिंक पर क्लिक करते ही 14 लाख की चपत

इंदौर। पुलिस की तमाम समझाइश के बाद भी लोग आनलाइन ठगी के शिकार हो रहे हैं। ऐसा ही मामला विजयनगर और महू थाने में सामने आया है। विजयनगर पुलिस को बीसीएम पैराडाइज निपानिया निवासी पवन अग्रवाल ने बताया कि 9 दिसंबर को उनके मोबाइल पर अज्ञात लिंक भेजी गई थी। जैसे ही उन्होंने उस लिंक को खोला, कुछ ही देर में खाते से साढ़े 14 लाख रुपए कटने के मैसेज आने लगे। थाना प्रभारी चंद्रकांत पाटिल ने बताया कि प्राथमिक जांच में सामने आया है कि ठगों ने फर्जी बैंक खातों के जरिए रकम ट्रांसफर की है। इसी प्रकार, महू क्षेत्र में भी साई श्रद्धा पैलेस कॉलोनी गुजरखेड़ा निवासी अभिमन्यु दास ने बताया कि 24 फरवरी की शाम अज्ञात मोबाइल नंबर से संपर्क कर ठग ने उनके खाते से 1 लाख 80 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है।

होली व रमजान के मद्देनजर पुलिस अलर्ट नशीले पदार्थों के इस्तेमाल पर सख्त नजर

इंदौर। होली, धुलेंडी, रंगपंचमी और रमजान को देखते हुए शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। रविवार को पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश जारी किए। त्योहारों के दौरान पूरे शहर में पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। जवान आधुनिक संसाधनों से लैस रहकर संवेदनशील इलाकों पर विशेष नजर रखेंगे। निगरानी के लिए ड्रोन कैमरे और सीसीटीवी नेटवर्क का उपयोग किया जाएगा। पुलिस ने निर्देश दिए हैं कि होलिका दहन केवल परंपरागत और विवाद रहित स्थानों पर ही हो तथा यातायात बाधित न हो। आयोजन स्थल पर अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम और स्वयंसेवकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। होटल, गार्डन और रिसोर्ट में होने वाले कार्यक्रमों की अनुमति और शर्तों की जांच की जाएगी। आयोजकों को सीसीटीवी कैमरे,

ड्रोन, सीसीटीवी और अतिरिक्त बल के साथ शहर में कड़ी निगरानी होगी

पार्किंग व्यवस्था, प्रतिभागियों की पहचान जांच और स्वयंसेवकों की तैनाती अनिवार्य रूप से करनी होगी। डीजे निर्धारित समय और ध्वनि सीमा के भीतर ही चलाने के निर्देश दिए गए हैं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रमों में शराब और नशीले पदार्थों के इस्तेमाल पर भी सख्त नजर रखी जाएगी।

संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्कता

चारों जोन में ड्रोन कंट्रोल यूनिट स्थापित कर असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। संवेदनशील मोहल्लों और धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष सुरक्षा इंतजाम रहेंगे। रमजान के दौरान होली जैसे त्योहार पड़ने से पुलिस ने धार्मिक भावनाओं का सम्मान बनाए रखने पर जोर दिया है। शांति समिति की बैठकों के जरिए आयोजकों और नागरिकों से संवाद जारी रहेगा। पूर्व में विवादित रहे स्थानों की समीक्षा कर आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्तियों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाएगी। सूचीबद्ध बदमाशों, निगरानी अपराधियों औझर आर्म्स, आबकारी तथा एनडीपीएस एक्ट से जुड़े आरोपियों की भी जांच की जाएगी।

यातायात, सोशल मीडिया पर नजर

चल समारोह और यात्राओं को देखते हुए डायवर्सन और पार्किंग योजना तैयार की जा रही है। जरूरत पड़ने पर बैरिकेडिंग और स्टॉपर लगाकर यातायात नियंत्रित किया जाएगा। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट या संदेशों की निगरानी की जाएगी। छेड़छाड़, मारपीट या अन्य छोटी-बड़ी घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम, बिजली, स्वास्थ्य और अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाकर आपात सेवाएं सुचारू रखने की व्यवस्था भी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों को ड्यूटी के दौरान आम नागरिकों के साथ संयमित और सौम्य व्यवहार रखने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्र ने जहर खाकर आत्महत्या की, सुसाइड नोट में प्रेम प्रसंग का जिक्र

छात्र तीन साल से इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा था

इंदौर। किराए के कमरे में रहने वाले एक छात्र ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। तीन दिन इलाज के बाद रविवार को एमवाय अस्पताल में उसकी मौत हो गई। भंवरकुआं थाना क्षेत्र पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार मयंक (22) पुत्र हरिहर द्विवेदी ने 26 फरवरी की रात मेडिकल स्टोर से ब्लड प्रेशर की दवा लाकर अपने कमरे में खा ली थी। अगले दिन दोस्तों ने उसकी हालत खराब होने पर उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान हालत गंभीर होने पर रविवार को उसे एमवाय अस्पताल रेफर किया गया। यहां उपचार के दौरान शाम को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

गांव से लौटा था

परिजनों ने बताया कि मयंक अपनी बहन के साथ इंदौर में रहता था। उसकी बहन गांव बरही, करेला (कटनी) गई हुई थी। मयंक एक दिन पहले ही गांव से इंदौर लौटा था। वह पिछले तीन साल से इंदौर में रहकर पढ़ाई कर रहा था। पुलिस को मयंक के पास से एक सुसाइड नोट मिला है। इसमें उसने गांव की एक युवती से दोस्ती और संबंध का जिक्र किया है। युवती द्वारा शादी से इनकार कर संबंध खत्म करने के बाद उसने यह कदम उठाने की बात लिखी। मयंक के पिता किसान हैं। उसका बड़ा भाई मुंबई में काम करता है और परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा था। वह अपने छोटे भाई और बहन की पढ़ाई कराना चाहता था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

होली पर धमाकेदार 'होलीस्थान' में रंग, संगीत, मस्ती व खाने की धूम

इंदौर। इस साल इंदौर में होली खास और भव्य होने जा रही है। चर्चित होली इवेंट 'होलीस्थान 4.0' इस बार लाभ गंगा गार्डन में 4 मार्च को भव्य स्तर पर आयोजित किया जाएगा। यह इवेंट के युवाओं, परिवारों और बच्चों के लिए एक परफेक्ट एंटरटेनमेंट डेस्टिनेशन बनने की संभावना है। यहां रंग, संगीत, मस्ती और स्वादिष्ट खाने का शानदार संगम देखने को मिलेगा। 'होलीस्थान' पर हर साल हजारों लोग शामिल होते हैं। इस बार इवेंट का मुख्य आकर्षण दो इंटरनेशनल डीजे का लाइव परफॉर्मेंस रहेगा। पहली बार शहर में किसी होली इवेंट में दो इंटरनेशनल डीजे एक साथ परफॉर्म करने जा रहे हैं। ये हैं डीजे कटरीना और डीजे जेनिया। यह म्यूजिक लवर्स के लिए एक ऐतिहासिक और यादगार अनुभव साबित होने वाला है। इवेंट के आयोजक सुकरत राय ने बताया कि 'होलीस्थान 4.0' सिर्फ एक होली पार्टी नहीं, बल्कि इंदौर के लिए एक इंटरनेशनल

होली इवेंट में दो इंटरनेशनल डीजे एक साथ परफॉर्म करेंगे

लेवल का फेस्टिवल है। हमारा उद्देश्य है कि लोग सुरक्षित, फैमिली फ्रेंडली और प्रीमियम तरीके से होली का आनंद लें। दो इंटरनेशनल डीजे के साथ हम इंदौर को एक ग्लोबल होली डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

पूरे परिवार के लिए इंतजाम

आयोजकों के अनुसार, होलीस्थान 4.0 में सभी उम्र के लोगों के लिए खास इंतजाम किए गए हैं। बच्चों के लिए डेडिकेटेड किड्स ज़ोन, गेम्स और एक्टिविटी की व्यवस्था होगी, ताकि परिवार अपने बच्चों के साथ सुरक्षित तरीके से होली मना सकें। वहीं, फूड लवर्स के लिए कई तरह के फूड स्टॉल्स और लाइव फूड काउंटर लगाए जाएंगे, जहां स्वादिष्ट भारतीय और इंटरनेशनल व्यंजन उपलब्ध होंगे। 'होलीस्थान' को सिर्फ एक होली इवेंट नहीं, बल्कि इंदौर का सबसे बड़ा कल्चर और म्यूजिक फेस्टिवल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। शहर में इस इवेंट को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है और टिकटों की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। यह आयोजन शहर के होली सेलिब्रेशन को एक नए लेवल पर ले जाने वाला है, जहां रंगों के साथ संगीत, मस्ती और मनोरंजन का महाकुंभ देखने को मिलेगा।

छात्र की किडनेपिंग की आड़ में हुई ठगी में पुलिस को अहम सुराग मिले

हरियाणा की सिम से कॉल, यूपी खाते में पैसा, बिहार से निकासी

इंदौर। चार दिन पहले 10वीं कक्षा के छात्र का डीपफेक वीडियो बनाकर उसके माता-पिता से एक लाख रुपए से अधिक की ठगी के मामले में पुलिस को अहम सुराग मिले हैं। जांच में सामने आया है कि बदमाश ने हरियाणा की सिम कार्ड से कॉल किया था। परिवार से क्यूआर कोड के जरिए ट्रांसफर की गई रकम उत्तरप्रदेश के बैंक खाते में जमा हुई, जिसे बाद में बिहार के एटीएम से निकाला गया। क्राइम ब्रांच ने संबंधित बैंक से खाते की विस्तृत जानकारी मांगी है और जिस एटीएम से पैसा निकाला गया, उसके सीसीटीवी फुटेज भी तलब किए हैं। अधिकारियों का मानना है कि फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान संभव हो सकेगी। जरूरत पड़ने पर जांच टीम अन्य राज्यों में भी रवाना हो सकती है। जानकारी के मुताबिक, स्कूल की छुट्टियों के दौरान किसी बात पर डांट पड़ने के बाद छात्र घर से ट्यूशन के लिए निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। परिजनों ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए सोशल मीडिया पर फोटो और संपर्क नंबर साझा किए। अगले दिन परिवार को वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने चेहरा छिपा रखा था और छात्र की तस्वीर का इस्तेमाल कर डीपफेक वीडियो तैयार किया था। वीडियो में ऐसा दिखाया गया कि बच्चा उसके कब्जे में है। बदमाश ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और फिरौती की मांग की। घबराए परिजनों ने बताए गए क्यूआर कोड पर रुपए ट्रांसफर कर दिए।

आरोपियों तक पहुंचने की कोशिश- एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया के अनुसार, पुलिस तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। बैंक खाते, सिम कार्ड और एटीएम फुटेज के जरिए आरोपी तक पहुंचने की कोशिश की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही मामले का खुलासा किया।

27 लाख की रिकवरी- उधर, हीरानगर थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपति को डिजीटल अरेस्ट कर एक करोड़ 15 लाख रुपए ऐंठ लिए थे। मामले में पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद ठग के खाते से 27 लाख रुपए फ्रीज कर दिए हैं। जानकारी के मुताबिक, दंपति को एटीएस अधिकारी बनकर ठग ने धमकाया था और अक्टूबर में पैसे हथिया लिए थे। दंपति को जिस मोबाइल नंबर से कॉल आए थे। पुलिस ने उनकी जांच की तो एक नंबर पश्चिम बंगाल और दूसरा महाराष्ट्र का निकला। पुलिस ने पश्चिम बंगाल में ठग के बैंक अकाउंट को फ्रीज कर दिया है। जल्द ही आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

7,400 करोड़ की इंदौर-बुदनी रेल लाइन 2030 तक पूरी की जाएगी

सरकारी जमीन से 35 प्रजातियों के 277 पेड़ हटाने की अनुमति

इंदौर। मध्य प्रदेश में प्रस्तावित इंदौर-बुदनी नई रेल लाइन परियोजना के तहत एक अहम प्रशासनिक प्रक्रिया पूरी हो गई है। भूमि अधिग्रहण के साथ-साथ अब सरकारी भूमि पर खड़े पेड़ों को हटाने की मंजूरी भी रेलवे को मिल चुकी है। इससे पहले महू-खंडवा रेल प्रोजेक्ट में भी इसी तरह की कार्रवाई की गई थी। रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) भोपाल के मुख्य परियोजना प्रबंधक द्वारा किए गए आवेदन पर जिला प्रशासन ने सशर्त स्वीकृति प्रदान की है। परियोजना क्षेत्र में वन विभाग की जमीन शामिल नहीं है, लेकिन सरकारी जमीन पर मौजूद 35 प्रजातियों के कुल 277 पेड़ हटाए जाएंगे। यह रेल मार्ग कई गांव से होकर गुजरेगा। डकाच्या से मेलकलमा तक कई बस्तियां प्रभावित होंगी। प्रस्तावित रेल लाइन डकाच्या, कदवाली बुजुर्ग, कदवाली खुर्द, बीसा खेड़ी, लसूडिया परमार और मेलकलमा सहित अन्य गांवों से होकर निकलेगी। इन स्थानों पर पेड़ों की कटाई की जाएगी। रेल प्रशासन के अनुसार, प्राथमिकता पेड़ों को स्थानांतरित (ट्रांसप्लांट) करने की रहेगी। जो पेड़ स्थानांतरित नहीं किए जा सकेंगे, उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि

जितने पेड़ हटेंगे, उनके मुकाबले तीन गुना अधिक पौधे रेलवे ट्रैक के दोनों किनारों पर लगाए जाएंगे।

205.5 किमी लंबी लाइन- इंदौर-बुदनी रेल लाइन की लंबाई लगभग 205.5 किलोमीटर होगी। यह 342 किलोमीटर लंबे इंदौर-जबलपुर रेल प्रोजेक्ट का हिस्सा है। करीब 7,400 करोड़ लागत वाली इस परियोजना में 80 से अधिक बड़े पुल, 90 से ज्यादा छोटे पुल, कई रोड अंडरपास और ओवरब्रिज तथा दो प्रमुख सुरंगों का निर्माण प्रस्तावित है। मार्च 2024 तक इस परियोजना पर लगभग ?948 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अतिरिक्त 1,107 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य में आ रही चुनौतियों के कारण परियोजना को वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

गलत नंबर प्लेट और हूटर लगी कार जब्त, ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

इंदौर। शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने ट्रैफिक पुलिस ने अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की। नो-पार्किंग में खड़ी कार की जांच के दौरान उस पर गलत नंबर प्लेट और अवैध हूटर लगा मिला। पुलिस ने तुरंत वाहन जब्त कर चालानी कार्रवाई की। डीसीपी (ट्रैफिक) राजेश त्रिपाठी के निर्देशन में शहर के चारों ट्रैफिक जोन में विशेष पेट्रोलिंग टीमें लगातार सक्रिय है। इन टीमों का उद्देश्य व्यस्त सड़कों, बाजारों और ट्रैफिक दबाव वाले इलाकों में अवैध पार्किंग हटाकर यातायात को सुगम बनाना है। 28 फरवरी को पेट्रोलिंग टीमों ने अलग-अलग जोन में निरीक्षण कर नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई की। जोन 1 में एयरपोर्ट रोड, बड़ा गणपति से गौराकुंड और अंतिम चौराहा तक, जोन 2 में एबी रोड मॉल, मेदांता रोड, एमआर-9 और फीनिक्स मॉल क्षेत्र, जोन 3 में आरएनटी मार्ग, एमजी रोड, व्हाइट चर्च से दवा बाजार, मधुमिलन, जंजीरवाला, पलासिया से व्हाइट चर्च मार्ग, जोन में 4 सपना संगीता, टॉवर चौराहा से खातीवाला टैंक, राजवाड़ा, जवाहर मार्ग, खजूरी बाजार और सराफा क्षेत्र में पुलिस ने पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन, व्हील लॉक और पीओएस मशीन की मदद से अवैध पार्किंग, फुटपाथ पर खड़े वाहनों और सड़क पर बाधा बनने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की।

वाहनों के चालान काटे

कार्रवाई के पहले समझाइश दी गई, इसके बाद भी नियमों का उल्लंघन करने वालों पर चालान काटे गए और जरूरत पड़ने पर वाहन हटाए गए। ट्रैफिक पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करें और यातायात नियमों का पालन करें। निरंतर अभियान से कई क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार देखने को मिला है।

शराब के नशे में बस चलाते ड्राइवर को पकड़ा, मामला दर्ज, बस जब्त

बस में यात्री भी सवार थे, जिससे उनकी जान को गंभीर खतरा

इंदौर। यात्रियों से भरी बस नशे में चला रहा था ड्राइवरइंदौर में चेकिंग के दौरान टीआई ने पकड़ा, बस का परमिट भी नही था, केस दर्ज, बस का परमिट भी नही था। पुलिस ने ड्राइवर और वाहन मालिक के खिलाफ केस दर्ज कर बस जब्त कर ली। विजयनगर थाना क्षेत्र में देर रात चलाए गए विशेष सघन वाहन चेकिंग अभियान में पुलिस ने एक यात्री बस को रोककर बड़ी लापरवाही का खुलासा किया। बस ड्राइवर और क्लीनर शराब के नशे में यात्रियों की जान जोखिम में डालकर वाहन चला रहा थे। थाना प्रभारी चंद्रकांत पटेल 28 फरवरी शनिवार रात करीब 1 बजे रसोमा चौराहा क्षेत्र में चेकिंग कर रहे थे। तभी बस नंबर

एमपी-09 एफए 6155 को संदेह होने पर उन्होंने रूकवाया। ड्राइवर राधेश्याम (45), निवासी देवास का ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट किया गया। इसमें 78.9 एमजी/100 एमएल अल्कोहल पाया गया, जो तय सीमा से काफी ज्यादा है। उस समय बस में यात्री भी सवार थे, जिससे उनकी जान को गंभीर खतरा था। टीआई ने इस दौरान डॉक्यूमेंट मांगे जिसमें बस का वैध परमिट नहीं मिला। पूछताछ में सामने आया कि वाहन स्वामी द्वारा जानबूझकर बिना परमिट बस का संचालन कराया जा रहा था। इसके बाद पुलिस ने ड्राइवर और वाहन स्वामी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 281 और मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185, 66/192(क), 5/180, 130/177(2), 36/177, 38/177 व 207 के तहत केस दर्ज किया है। बस को जब्त कर लिया है। परमिट को लेकर आरटीओ अफसरों को जानकारी दी गई है।

इंदौर के 30 लोग दुबई में फंसे, होटल से रिसॉर्ट में शिफ्ट किया

इंदौर। दुबई एयरपोर्ट बंद होने से इंदौर से दुबई गए करीब 30 लोग वहीं फंस गए। ये जिस होटल में ये रुके थे, उससे 200 मीटर दूर एक अन्य होटल में शनिवार रात ड्रोन अटैक हुआ था। इसके चलते रविवार को सभी ने होटल खाली कर दिया और दुबई शहर से दूर एक रिसोर्ट में अपार्टमेंट किराए से ले लिया है। इन लोगों को यहां स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही, लेकिन शनिवार रात को हम सभी के फोन पर सिक्युरिटी अलर्ट आए थे। इसमें लिखा था कि कोई भी व्यक्ति अनावश्यक बाहर न निकले और कांच या खिड़की के पास भी न रहे। पूर्व विधायक संजय शुक्ला व उनके पुत्र, विशाल पटेल, पिंटू छाबड़ा और उनके पूरे परिवार सहित 24 लोगों का समूह है। इनकी रविवार दोपहर शारजाह एयरपोर्ट से इंदौर की फ्लाइट थी, लेकिन फ्लाइट निरस्त होने से सभी वहीं फंसे हैं। शनिवार को सभी फाइव पाम्स होटल में रुके थे। 200 मीटर दूर होटल पर ड्रोन हमला हुआ, जिससे सभी सहम गए।

पूर्व विधायक ने मदद मांगी

पूर्व विधायक संजय शुक्ला ने रविवार को वीडियो जारी कर बताया कि किस प्रकार दुबई में कुछ जगह से धुआं उठ रहा है। उन्होंने कहा कि बम धमाके की वजह से लोगों में दहशत है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से अपील करते हुए कहा कि दुबई में फंसे भारतीय लोगों को निकालने के लिए भारत सरकार यूएई सरकार से बात करे।

जिस दिन लौटना था, उसी दिन फ्लाइट कैंसिल हो गई

बास्केटबॉल खिलाड़ी भी फंसे

भारतीय सीनियर पुरुष बास्केटबॉल टीम 25 फरवरी को एशियाई क्वालिफायर में भाग लेने के लिए दोहा गई थी। टीम में मध्यप्रदेश के तुशाल सिंह भी शामिल हैं। 27 को टीम को लेबनान जाना था, लेकिन कतर में चल रहे राजनीतिक तनावों के कारण अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा बंद है। ऐसे में टीम के खिलाड़ी और अधिकारी दोहा में फंसे हुए हैं। बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) के महासचिव कुलविंदर सिंह गिल ने बताया भारतीय टीम ने 27 फरवरी को कतर के खिलाफ अपना निर्धारित मैच खत्म किया। मौजूदा स्थिति और यात्रा संबंधी अनिश्चितताओं के कारण टीम व अधिकारी दोहा एंबेसी में 5 घंटे के लिए रुके थे। इसके बाद पूरी टीम को होटल में पहुंचाया गया।

फ्लाइट में 4 घंटे इंतजार

लाभम ग्रुप के प्रमुख मंत्री भी अपने मित्रों के साथ गल्फ कंट्री के दौरे पर थे। वे शनिवार को लौटने वाले थे। ये सभी लोग शनिवार को इंडियन एयरलाइंस की फ्लाइट में शारजाह से बैठ भी चुके थे, लेकिन तीन-चार घंटे तक वेटिंग के बाद अंततः फ्लाइट निरस्त हो गई। वे अपने आठ साथियों के साथ दुबई के हयात होटल में ठहरे हैं, जहां यात्रियों का खर्च सरकार ने उठाने की घोषणा की है, जिससे सभी यात्रियों को राहत हुई है। प्रमुख ने बताया दुबई में मॉल-होटल आदि खुले हैं। हालांकि स्कूलों की छुट्टी कर दी है और ऑफिस भी 2 मार्च तक बंद रखने की घोषणा की गई है। हालांकि फ्लाइट सेवा दोबारा कब शुरू होगी ये नहीं कहा जा सकता।

संपादकीय

तीसरे विश्वयुद्ध के बादल

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच युद्ध जल्दी नहीं थमा तो इसके भयावह तीसरे विश्वयुद्ध में बदलने में ज्यादा देर नहीं है। क्योंकि यह लड़ाई ईरान बनाम 11 देशों में तो शुरू हो ही चुकी है। अब तीन यूरोपीय देशों ने भी लड़ाई में अमेरिका का साथ देने का ऐलान कर दिया है। दूसरी तरफ ईरान ने अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खोमनेई और 28 टॉप लीडर के खात्मे का बदला लेने का ऐलान कर अमेरिका, इजराइल सहित मध्य पूर्व के उन अरब देशों पर भी हमले शुरू कर दिया है, जिनके यहां अमेरिका या दूसरे देशों के सैनिक अड्डे हैं। यानी इंतकाम की आग में जल रहा ईरान अब युद्ध को ज्यादा से ज्यादा देशों तक फैलाना चाहता है। उसकी रणनीति साफ है कि वह दूसरे देशों पर हमले कर अमेरिका और इजराइल पर हमला रोकने के लिए दबाव बनाना चाहता है। यह रणनीति फिलहाल तो सफल होती दिखाई दे रही है। क्योंकि जिन अरब देशों में अमेरिका के सैनिक अड्डे हैं, उन देशों की रक्षा में अमेरिका नाकाम रहा है। इससे जहां विश्व में मुस्लिम जगत शिया और सुन्नी में फिर से बंट गया है, वहीं यह संदेश भी जा रहा है कि अमेरिका इन देशों की प्रभावी रक्षा करने में या तो असमर्थ है या फिर उसे अपनी ही ज्यादा चिंता है। ऐसे में जल्द ही विश्व में नए भू राजनीतिक समीकरण होते दिखाई पड़ सकते हैं। खासकर वो 6 अरब देश सबसे ज्यादा चिंतित हैं, जो अपनी रक्षा के लिए पूरी तरह से अमेरिका पर ही निर्भर हैं और जिन्हें इस बात की कतई उम्मीद नहीं थी कि ईरान उन्हें अपने कोप का निशाना बनाएगा। ईरान उन पर ड्रोन और मिसाइल हमले कर यह जताना चाहता है कि वो चाहे तो इन अरबों की सम्पन्नता को एक झटके में खत्म कर सकता है। दूसरे, ईरान की रणनीति यह भी है कि मध्य पूर्व के इन देशों की आयल रिफाइनरीज को नष्ट कर उनकी दौलत की जड़ को ही खत्म कर दिया जाए। सऊदी अरब में दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी आरामको पर ईरान का ताजा हमला इसी बात की निशानी है। सऊदी सहित अन्य आधा दर्जन देशों की आर्थिकी का मूल आधार तेल ही है। यदि तेल भंडार ही खत्म हो गए तो उनके पास आय का कोई दूसरा बड़ा साधन नहीं है। इस संग्राम में अब यूरोपीय देशों का शामिल होना इस बात का इशारा है कि पानी सिर से गुजर चुका है। ये तमाम देश मिलकर ईरान पर हमलाकर वहां की कट्टरपंथी सरकार को खत्म करने की कोशिश करेंगे। हालांकि यह रणनीति कितनी सफल होगी, कहना मुश्किल है। इस वक्त ईरान के साथ रशिया, चीन और उत्तर कोरिया है। अगर ईरान पर हमले नहीं रूके तो वह उत्तर कोरिया से परमाणु हथियार लेकर उनका उपयोग भी कर सकता है। ऐसा हुआ तो दुनिया को खत्म होने में वक्त नहीं लगेगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान का नया नेतृत्व बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन ईरानी नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि वो बात नहीं करेगा। इस बीच भारत ने पूरा विवाद आपसी बातचीत से हल करने का सुझाव दिया है। हालांकि इस पूरे प्रकरण में भारत की भूमिका न तीन में न तेरा में की है। इस पूरे घटनाक्रम के असली हीरो इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू हैं,जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए तैयार किया। भारत के सामने संकट यह है कि युद्ध के कारण बाजार में तेल की कीमतें बढ़नी शुरू हो गई और सोना फिर आसमान छूने लगा है। युद्ध जल्द न रूका तो भारत में वस्तुओं के दाम बढ़ने लगेंगे। और जनअसंतोष बढ़ेगा।

जब रंग जीवन का दर्शन बन जाते हैं

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक स्तंभकार हैं।

होली केवल रंगों से खेलने का उत्सव नहीं, बल्कि जीवन को समझने और स्वीकार करने की एक गहरी सांस्कृतिक दृष्टि है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का अस्तित्व केवल तर्क और व्यवस्था से नहीं, बल्कि भावनाओं, विरोधों और संवेदनाओं के रंगों से निर्मित होता है। जब समाज विचारों की कठोरता, संबंधों की दूरी और संवेदनहीनता के कारण रंगहीन हो जाता है, तब होली जीवन में उल्लास, समरसता और मानवीय ऊष्मा का संचार करती है। रंगों के माध्यम से यह पर्व जीवन के द्वंद्व सुख-दुःख, प्रेम-विरोध, आशा-निराशा को स्वीकार करने की कला सिखाता है और हमें स्मरण कराता है कि जीवन की सुंदरता उसके विविध रंगों में ही निहित है।

यह उत्सव हमें बताता है कि रंग केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना, स्मृतियों और संबंधों का विस्तार हैं। वसंत के आगमन के साथ मनुष्य के भीतर जमी शीतल उदासियों को पिघलाने का काम होली करती है। जब समाज किसी न किसी कारण से धूसर हो चला हो, संवेदनाओं की थकान, संबंधों की टूटन, या विचारों की कटुता से तब होली जीवन में रंग भरने का साहसिक प्रस्ताव लेकर आती है। यही कारण है कि होली का उत्सव केवल हँसी-खुशी का आयोजन नहीं, बल्कि एक गहन दार्शनिक अनुभव भी है। रंगों का दर्शन भारतीय संस्कृति में अत्यंत प्राचीन और गहन है। यहाँ रंग केवल दृश्य अनुभूति नहीं, बल्कि भाव, गुण और चेतना के प्रतीक हैं। लाल रंग ऊर्जा, प्रेम और संघर्ष का संकेत देता है, पीला ज्ञान और वैराग्य का, हरा जीवन और आशा का, और नीला गहराई व अनंत का। होली इन सभी रंगों को एक साथ उछाल देती है, मानो जीवन के सभी भावों को स्वीकार करने की शिक्षा दे रही हो। यह स्वीकार्यता ही जीवन-दर्शन का मूल है कि जीवन केवल सुख या केवल दुःख नहीं, बल्कि दोनों का समन्वय है।

होली का एक प्रमुख आयाम जीवन का द्वंद्व है। द्वंद्व अर्थात् विरोधों का सह-अस्तित्व। सुख और दुःख, प्रेम और घृणा, जीत और हार- ये सभी जीवन के अनिवार्य रंग हैं। होली में जब लोग एक-दूसरे पर रंग डालते हैं, तो वे अनजाने ही इस द्वंद्व को स्वीकार कर लेते हैं। कोई नहीं पूछता कि कौन अमीर है, कौन गरीब, कौन उच्च है, कौन निम्न। रंग सभी भेदों को ढक लेते हैं। यह क्षणिक समानता हमें याद दिलाती है कि समाज द्वारा खींची गई रेखाएँ स्थायी नहीं, बल्कि मनुष्य द्वारा निर्मित हैं। रंगहीन समाज की अवधारणा आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है। आधुनिक जीवन की तेज़ रफ्तार, प्रतिस्पर्धा, तकनीकी निर्भरता और आत्मकेंद्रित सोच ने समाज को भीतर से फीका कर दिया है। लोग जुड़े तो हैं, पर संवादहीन हैं; साथ रहते हैं, पर संवेदनाहीन। ऐसे समाज में होली एक प्रतिरोध का पर्व बन जाती है। यह हमें बाहर निकलकर एक-दूसरे को छूने, हँसने और क्षमा करने का अवसर देती है। रंगहीनता के विरुद्ध रंगों का यह उत्सव एक सांस्कृतिक विद्रोह जैसा है।

होली की पौराणिक कथा होलिका दहन भी गहरे प्रतीकवाद से भरी है। यह कथा केवल बुराई पर अच्छाई की जीत नहीं, बल्कि अहंकार के दहन और विश्वास की रक्षा की कथा है। होलिका का जलना और प्रह्लाद का बचना इस बात का संकेत है कि सत्ता, बल और छल अंततः सत्य और आस्था के सामने टिक नहीं पाते। दहन की अग्नि हमारे भीतर के भय, क्रोध और द्वेष को जलाने का आह्वान करती है, ताकि अगले दिन रंगों के साथ नया जीवन आरंभ हो सके। होली का सामाजिक पक्ष भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्व सामूहिकता का उत्सव है। गाँव की गलियों से लेकर महानगरों की छतों तक, लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। पुराने गिले-शिकवे मिटते हैं, नए संबंध बनते हैं। 'बुरा न मानो, होली है' केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि क्षमा और उदारता का सामाजिक मंत्र है। यह वाक्य हमें यह सिखाता है कि जीवन में हर बात को गंभीरता से लेने की आवश्यकता नहीं; कभी-कभी हँसकर आगे बढ़ जाना भी बुद्धिमानी है।

रंगों का यह उत्सव स्त्री-पुरुष, बालक-वृद्ध, सभी को समान रूप से शामिल करता है। बच्चों के लिए होली शुद्ध आनंद है, युवाओं के लिए उत्साह, और वृद्धों के लिए स्मृतियों की पुनरावृत्ति। इस प्रकार होली समय की सीमाओं को भी तोड़ती है। यह अतीत, वर्तमान और भविष्य को एक ही रंगीन क्षण में समेट लेती है। आज जब समाज में तनाव, अवसाद और अलगाव बढ़ रहा है, तब होली का मनोवैज्ञानिक महत्व और भी बढ़ जाता है। रंग खेलना केवल बाहरी क्रिया नहीं, बल्कि आंतरिक मुक्ति की प्रक्रिया है। यह हमें अपने भीतर जमी कठोरताओं को ढीला करने का अवसर देती है। हँसी, गीत और नृत्य मन को हल्का करते हैं। वैज्ञानिक दृष्टि से भी यह सामूहिक आनंद तनाव को कम करता है और सकारात्मक भावनाओं को बढ़ाता है।

हालाँकि, आधुनिक समय में होली के सामने चुनौतियाँ भी हैं। रासायनिक रंग, जल का अपव्यय और जबरदस्ती के व्यवहार ने इस पर्व की आत्मा को कहीं न कहीं चोट पहुँचाई है। यदि होली जीवन को रंगीन बनाने का पर्व है, तो उसे जीवन के प्रति जिम्मेदार भी होना चाहिए। प्राकृतिक रंगों का प्रयोग, सहमति का सम्मान और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता- ये सभी होली के आधुनिक प्रतीकवाद का हिस्सा बनने चाहिए। होली हमें यह भी सिखाती है कि रंग स्थायी नहीं होते। शाम होते-होते रंग धुल जाते हैं, चेहरे फिर अपने मूल रूप में लौट आते हैं। यह अस्थायित्व जीवन का सबसे बड़ा सत्य है। जो आज है, वह कल नहीं रहेगा। इसलिए अहंकार, वैमनस्य और कठोरता को ढोने का कोई अर्थ नहीं। रंगों की तरह जीवन भी बहता है, बदलता है। इसे थामने की कोशिश में हम केवल थकते हैं, जी नहीं पाते।

होली जीवन को पूरे मन से स्वीकार करने का पर्व है। यह हमें बताती है कि रंगहीनता कोई नियति नहीं, बल्कि एक स्थिति है, जिसे बदला जा सकता है। यदि समाज फीका लगने लगे, तो दोष केवल बाहरी परिस्थितियों का नहीं, बल्कि हमारे भीतर के सूखेपन का भी है। होली हमें भीतर झाँकने और अपने मन में रंग भरने का निमंत्रण देती है।होली रंगों का उत्सव भर नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन का जीवंत पाठ है। यह द्वंद्वों को स्वीकार करना सिखाती है, भेदों को मिटाने का साहस देती है और रंगहीन समाज में मानवीय संवेदनाओं के रंग घोल देती है। जब हम होली के रंगों में सराबोर होते हैं, तब वास्तव में हम जीवन को उसकी पूरी विविधता के साथ गले लगाते हैं और शायद यही होली का सबसे गहरा प्रतीकवाद है।

होली : राक्षसी शक्तियों के दहन का पर्व

पर्व

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

होली एक प्राचीन त्योहार है। पौराणिक कथाओं के अनुसार मुख्य रूप से यह बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है। भारत और चीन में इसे, इसी परिप्रेक्ष्य में मनाने की परंपरा है। आज इस पर्व को मूल-अर्थो में मनाना ज्यादा प्रासंगिक है। क्यांकि नैतिकता-अनैतिकता के सभी मानदण्ड खोटे होते जा रहे हैं। समाज में जिसकी लाठी, उसकी भैंस का कानून प्रभावी बढ़ता जा रहा है। साधन और साध्य का अंतर खत्म हो रहा है। गलत साधनों से कमाई संपत्ति और बाहुबल का बोलबाला हर जगह बढ़ रहा है। ऐसी राक्षसी शक्तियों के समक्ष, नियंत्रक मसलन कानूनी ताकतें बौनी साबित हो रही हैं। हिंसा और आतंक से भयभीत वातावरण में हम भयमुक्त होकर नहीं जी पा रहे हैं। दुविधा के इसी संक्रमण काल में होलिका को मिले वरदान आग में न जलने की कथा की अपनी प्रासंगिकता है। क्योंकि अंततः बुराई का जलना और अत्याचारी व दुराचारी ताकतों का ढहना तय है।

सम्राट हिरण्यकश्यप की बहन होलिका को आग में न जलने का वरदान था अथवा हम कह सकते हैं, उसके पास कोई ऐसी वैज्ञानिक तकनीक थी, जिसे प्रयोग में लाकर वह अग्नि में प्रवेश करने के बावजूद नहीं जलती थी। लेकिन जब वह अपने भतीजे प्रहलाद का अंत करने की क्रूर मानसिकता के साथ उसे गोद में लेकर प्रज्वलित अग्नि में प्रविष्ट हुई, तो प्रहलाद तो बच गए, किंतु होलिका जल कर मर गई। उसे मिला वरदान काम नहीं आया। क्योंकि वह असत्य और अनाचार की आसुरी शक्ति में बदल गई थी। वह अंहकारी भाई के दुराचारों में भागीदार हो गई थी। इस लिहाज से कोई स्त्री नहीं बल्कि दुष्ट और दानवी प्रवृत्तियों का साथ देने वाली एक बुराई जलकर खाक हुई थी। लेकिन इस बुराई का नाश तब हुआ, जब नैतिक साहस का परिचय देते हुए एक अबोध बालक अन्याय और उत्पीड़न के विरोध में दृढ़ता से खड़ा हुआ।

इसी कथा से मिलती-जुलती चीन में एक कथा प्रचलित है, जो होली पर्व मनाने का कारण बनी है। चीन में भी इस दिन पानी में रंग घोलकर लोगों को बहुरंगों से भिगोया जाता है। चीनी कथा भारतीय कथा से भिन्न जरुर है, लेकिन आखिर में वह भी बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। चीन में होली का नाम है, 'फोश्वेई च्ये' अर्थात् रंग और पानी से सराबोर होने का पर्व। यह त्योहार चीन के युतांन जाति की अल्पसंख्यक 'ताएं' नामक जाति का मुख्य त्योहार माना जाता है। इसे वे नए वर्ष की शुरुआत के रूप में भी मनाते हैं।

इस पर्व से जुड़ी कहानी है कि प्राचीन समय में एक दुर्दांत अग्नि-राक्षस ने 'चिंग हुग' नाम के गांव की उपजाऊ कृषि भूमि पर कब्जा कर लिया। राक्षस विलासी और भोगी प्रवृत्ति का था। उसकी छह सुंदर पत्नियां थीं। इसके बाद भी उसने चिंग हुग गांव की ही एक खूबसूरत युवती का अपहरण करके उसे सातवीं पत्नी बना लिया। यह लड़की सुंदर होने के साथ वाक्पटु और बुद्धिमति थी। उसने अपने रूप-जाल के मोहपाश में राक्षस को ऐसा बांधा कि उससे उसी की मृत्यु का रहस्य जान लिया।

राज यह था कि यदि राक्षस की गर्दन से उसके लंबे-लंबे बाल लपेट दिए जाएं तो वह मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा। एक दिन अनुकूल अवसर पाकर युवती ने ऐसा ही किया। राक्षस की गर्दन उसी के बालों से सोते में बांध दी। इन्हीं बालों से उसकी गर्दन काटकर धड़ से अलग कर दी। लेकिन वह अग्नि-राक्षस था, इसलिए गर्दन कटते ही उसके सिर में आग प्रज्वलित हो उठी और सिर धरती पर लुढ़कने लगा। यह सिर लुढ़कता हुआ जहां-जहां से गुजरता वहां-वहां आग प्रज्वलित हो उठती। इस समय साहसी और बुद्धिमान लड़की ने हिम्मत से काम लिया और ग्रामीणों की मदद लेकर पानी से आग बुझाने में जुट गई। आखिरकार बार-बार प्रज्वलित हो जाने वाली अग्नि का क्षरण हुआ और धरती पर लगने वाली आग भी बुझ गई। इस राक्षसी आतंक के अंत की खुशी में ताएं जाति के लोग आग बुझाने के लिए जिस पानी का उपयोग कर रहे थे, उसे एक-दूसरे पर उड़ेल कर झूमने लगे। और फिर हर साल इस दिन होली मनाने का सिलसिला चल निकला।

ये दोनों प्राचीन कथाएं हमें राक्षसी ताकतों से लड़ने की प्रेरणा देती हैं। हालांकि आज प्रतीक बदल गए हैं। मानदंड बदल गए हैं। पूंजीवादी शोषण का चक्र भूमण्डलीय हो गया है। आज समाज में सत्ता की कमान संभालने वाले संपत्ति और प्राकृतिक संपदा का अमर्यादित केंद्रीकरण और दोहन करने में लगे हैं। यह पक्षपात केवल राजनीतिक व आर्थिक क्षेत्रों तक ही सीमित नहीं रह गया है, इसका विस्तार धार्मिक, सांस्कृतिक प्रशासनिक क्षेत्रों में भी है। नतीजतन हम सरकारी कार्यालय में हों, किसी औद्योगिक कंपनी की चमचमाती बहुमंजिला इमारत में हों अथवा किसी भी धर्म-परिसर में हों, ऐसा आभास जरुर होता है कि हम अंततः लूट-तंत्र के षड्यंत्रों के बीच खड़े हैं। जाहिर है, षासक वर्ग लोकहित के दावे चाहे जितने करे, अंततः उनका सामंती चरित्र ही उभरकर समाज में विस्तारित हो रहा है। आम आदमी पर शोषण का शिकंजा कसता जा रहा है। आर्थिक उदारीकरण न तो समावेशी विकास का आधार बन पाया और न ही अन्याय से मुक्ति का उपाय साबित हुआ ? इसके उलट उसे अंतरराष्ट्रीय पूंजीवाद से जोड़कर व्यक्ति को अपनी सनातन ज्ञान परंपराओं से काटने का कुचक्र रचा और जो ग्रामीण समाज लघु उद्योगों में स्वयं के उत्पादन की प्रक्रिया से जुड़ा था, उसे नगरीय व्यवस्था का घरेलू नौकर बना दिया। जाहिर है, शाषक दल लोक को हाशिये पर डालकर लोकहित का प्रपंच-गान करने में लगे हैं। लोक का विश्वास तोड़ कर लोकवादी या जनवादी कैसे हुआ जा सकता है ?

हकीकत तो यह है कि कथनी और करनी के भेद सार्वजनिक होने लगे हैं। जिस षासन-प्रशासन तंत्र को राष्ट्रीय व संवैधानिक आदर्शों के अनुरुप ढालने की जरुरत थी, वे संहिताओं और आदर्शों को खंडित करके उनकी परिभाषाएं अपनी राजनीतिक व अर्थ लिप्साओं के अनुरुप गढ़ने में लगे हैं। बाजार को मजबूत बनाने के लिए विधेयक लाए जा रहे हैं। परिवार को व्यक्तिगत इकाई मानकर और स्त्री शरीर को केवल देह मानकर कौटुम्बिक व्यवस्था को खंडित और स्त्री-देह को भोग का उपाय बनाने के प्रपंच किए जा रहे हैं।

दरअसल बाजारवादी ताकतें शोषण के जिस दुष्कर्म को लेकर आ रही हैं, उससे केवल नैतिक साहस से ही निपटा जा सकता है। इन शक्तियों की मंशा है कि भारतीयों को संजीवनी देने वाली नैतिकता के तकाजे को नष्ट-भ्रष्ट कर दिया जाए। इसीलिए निजी नैतिकता को अनैतिकता में बदलने के नीतिगत उपाय हो रहे हैं। जब कि नैतिक मूल्यों का वास्तविक उद्देश्य मानव जीवन को पतन के मार्ग से दूर रखते हुए उसे उदात्त बनाना है। यही कारण रहा है कि जब होलिका सत्य, न्याय और नैतिक बल के प्रतीक प्रहलाद को भस्मीभूत करने के लिए आगे आई तो वह खुद जलकर राख हो गई। उसकी वरदान रूपी तकनीक उसके काम नहीं आई। क्योंकि उसने वरदान की पवित्रता को नष्ट किया था। वह शासक दल के शोषण चक्र में साझीदार हो गई थी। चीनी राक्षस का भी यही हश्र युवती के एकांगी साहस ने किया।

पार्लर में जा कर हसीन हो जाती हैं शिकायतें

कटाक्ष

जवाहर चौधरी

लेखक व्यंग्यकार हैं।

जो नहीं जानते हैं वो जान लें कि हम राजनीतिक टेक्नोलोजी से समृद्ध हैं। जो कुछ भी ब्लेक एंड व्हाइट था अब रंगीन हो चुका है । रंग सारे ऐब छुपा लेते हैं। शिकायतें ब्यूटी पार्लर में जा कर हसीन हो जाती हैं। पहले बदनाम थी अब रंगबाजी सफलता है। दुर्घटना के बाद सड़क पर पड़े घायल का रंगीन विडिओ कमाई करता है। पुरानी सोच ने होली को गरीबों का त्योहार मान रखा था । जब दुनिया करोड़ों भारतियों को होली खेलते देखती थी तो माना जाता था कि भारत में गरीबी बहुत है । अब तय किया गया है कि होली की ब्रांडिंग अमीरों के त्योहार के रूप में की जाएगी। टीवी मिडिया को कह दिया गया है कि बड़े बड़े उद्योगपतियों, व्यापारियों, दलालों, फिल्म स्टारों, सम्मानित घूसखोरों, जेल में बंद संतों वगैरह को मस्त होली खेलते दिखाए। बैंकों को भी निर्देश दे दिए हैं कि वे करोड़ों के रंग-लोन इन्हें दनादन दें, ताकि इस तबके की रंगबाजी को सम्मानजनक उड़ान मिले । होली के जरिये विदेशों में हमारी छबि 'रिच' होना चाहिए। राजनीती में छायाचित्र ही छबि है और छबि ही सफलता है।

होली के त्योहार में एक दूसरे पर कीचड़ डालने और गोबर में घसीटने की सनातन परंपरा है। इसे उचित गरिमा प्रदान की जाएगी। इस काम के लिए छबि मैनेजरों ने देशभर की छोटी बड़ी पार्टियों को छबि निर्माण के लिए साथ आने को कहा है। इस मामले में पार्टियों का प्रदर्शन पूरे साल अच्छा रहता है। खेलकूद बंद हैं, स्कूलों में खेल के मैदान खाली पड़े हैं। सप्ताह भर पहले वहां गाय भैंसें बांध दी जाएँगी ताकि शुद्ध, विश्वसनीय और ताजा गोबर सभी पार्टियों को उपलब्ध हो सके। गौ-मूत्र और भैं(स)-मूत्र के कारण आर्गेनिक कीचड़ भी वहां तैयार हो जायेगा। सारी पार्टियाँ जब गोबर कीचड़ में सन जाएँगी तो किसी की अलग पहचान नहीं रहेगी। दुनिया लोकतंत्र की इस खूबसूरती को फटी आँखों से देखेगी । हम कह सकेंगे मतभेदों के बावजूद सारे दल एकरंग हैं। राजनीतिक एकता को प्रमाणित करने का इससे शानदर मौका दूसरा नहीं होगा।

ज्यादा सोचने से चिंता को अवसर मिलता है और चिंतित लोग सिस्टम को घूरने लगते हैं। होली मस्ती और गले मिलने का त्योहार है। नशे से आदमी की सोच-समझ, विचार व विचारधारा, चेतना वगैरह सब स्थगित हो जाते हैं। ज्ञानियों ने भांग को होली की जान बताया है। इसलिए मोहल्ला स्तर पर भांग मुफ्त उपलब्ध करवाई जाएगी। पिया हुआ आदमी हिन्दू मुसलमान नहीं केवल एक ऊंघता शरीर भर रह जाता है। हाड़ मांस के इसलिए ढेर को न महंगाई की याद रहती है न बेरोजगारी का दर्द । पंचतत्व के इस झूमते पैकेट से समाज में अमन, शांति और अध्यात्म का सन्देश जाता है।

कुछ जगहों पर लट्ठमार होली का चलन है। महिलाएं लट्ठ से हुलियारों को प्रेम कि चरम शक्ति के साथ पीटती हैं। आदमी भांग के या किसी भी नशे में हो तो उसे पिटने में आनंद आता ह। ऐसा आदमी आगे सालभर पिटते रहने के लिए मन और शरीर से तैयार रहता है। यही काम समय असमय पुलिस भी प्रेम से करती है तो उसका मकसद भी प्रदर्शकारियों को आनंद से सराबोर करने का होता है। पिसी छनी भाँग और मदिरा तन को मस्त और मन को रंगीन बनाती है। इसका कारण यह है कि बाहर जितनी रंगीनी होती है उतनी अन्दर भी होना चाहिए वरना त्योहार अधूरा है। जिम्मेदारों की सोच गहरी और सूक्ष्म है। बच्चन कवि कह गए हैं- 'दुनिया वालों किन्तु किसी दिन, आ मदिरालय में देखो; दिन को होली, रात दिवाली, रोज मनाती मधुशाला'। मदिरा की बढ़ती दुकानों के इस मर्म को समझो। राज्य में अमीर गरीब सब मस्त हों; झोपड़ी, महल या गटर का भेद न हो; सारे चरम आनंद को प्राप्त हों, यही सुखी राज्य का लक्ष्य है। ... तो बुरा मानो या न मानो.... होली है.....।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

होली कब है, गब्बर का सवाल अभी भी खड़ा

व्यंग्य

श्याम यादव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

होली आते ही एक सवाल हर साल फिर से जीवित हो जाता है 'होली कब है?' यह वही सवाल है जो शोले में गब्बर सिंह ने पूछा था। फर्क बस इतना है कि तब लोग डर जाते थे, अब लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं। अब हालत यह है कि जिसे देखो वही पूछ रहा है 'होली कब है?' जिससे पूछा जा रहा है, उसे भी पता है- और जो पूछ रहा है, उसे भी पता है। फिर भी सवाल जारी है। जैसे जवाब से ज़्यादा पूछने में आनंद आ रहा हो। सबको मालूम है 3 मार्च को होलिका दहन है और 4 मार्च को रंग वाली होली। लेकिन, आदमी तारीख़ जानकर संतुष्ट नहीं होता। उसे किसी दूसरे के मुँह से वही बात सुननी होती है।

मानो होली की तारीख़ नहीं, कोई व्हाट्सएप वाली खबर कन्फर्म की जा रही हो। पंडित जी पंचांग खोलकर बताते हैं 'चार को है। सामने वाला सिर हिलाता है, फिर जेब से मोबाइल निकालता है और गूगल भी कर लेता है। अब यह तय करना मुश्किल है कि उसे पंडित जी पर भरोसा है या मोबाइल पर भी भरोसा नहीं है। दफ्तरों में यह सवाल थोड़ा बदल जाता है। यहाँ 'होली कब है' का मतलब होता है 'छुट्टी कैसे फिट होगी?'

कर्मचारी कैलेंडर देखकर जोड़-घटाव कर रहा है। कोई 3 तारीख को आधा दिन बचाने में लगा है, कोई 4 की छुट्टी पक्की करने में। कुछ पुराने खिलाड़ी अलग ही रास्ता अपनाते हैं। 3 मार्च की शाम होते-होते उन्हें हल्का बुखार चढ़ने लगता है। 4 को रंग खेलकर 5 को ठीक भी हो जाते हैं। दफ्तर में पूछे तो सीधा जवाब 'मौसम बदल रहा है।' सबको पता है क्या बदल रहा है, लेकिन कोई कुछ नहीं कहता। होली में यह बीमारी हर साल फैलती है और अपने आप ठीक भी हो जाती है।

बाजार में भी अजीब दृश्य है। हर रंग 'ऑर्गेनिक' है, हर गुलाल 'नेचुरल' है, और हर दुकानदार 'ईमानदार' है। ग्राहक भी जानता है कि रंग से ज़्यादा भरोसा खरीदा जा रहा है, फिर भी वह संतुष्ट है। होली में आदमी रंग कम, भ्रम ज्यादा खरीदता है। राजनीति भी पीछे नहीं रहती। 4 मार्च को रंग लगेगा, 5 मार्च को बयान आएगा 'होली भाईचारे का त्योहार है।' यह वाक्य अब इतना पुराना हो गया है कि त्योहार नया लगता है, बयान नहीं।

भाईचारा भी हर साल यह सुनकर थोड़ा असहज हो जाता होगा। मोहल्ले के बच्चे सबसे साफ़ हैं। उन्हें न पंचांग से मतलब है, न गूगल से। उनके लिए होली तब शुरू होती है जब पहला गुब्बारा फूटता है। उनका कैलेंडर पिचकारी से चलता है और टाइम पानी की टंकी तय करती है। घर के अंदर माँ और बच्चों के बीच पुराना संवाद हर साल दोहराया जाता है। माँ कहती है 'ज्यादा मत खेलना।' बच्चे मन ही मन तय कर लेते हैं 'आज ही तो ज्यादा खेलना है।' यह वही लोकतंत्र है जिसमें हर बार बच्चों की सरकार बनती है।

सोशल मीडिया ने इस सवाल को और लंबा कर दिया है। कोई एक दिन पहले ही 'हैप्पी होली' भेज देता है, कोई दो दिन बाद भी भेजता रहता है। अब यह समझना मुश्किल हो जाता है कि होली चल रही है या खत्म हो चुकी है। कुल मिलाकर, सबको सब पता है फिर भी सवाल वही है 'होली कब है? शायद इसलिए कि यह सवाल जानकारी के लिए नहीं, माहौल के लिए पूछा जाता है। यह एक बहाना है। बात शुरू करने का, थोड़ी पहचान जताने का, और यह याद दिलाने का कि त्योहार आ रहा है। तभी कहीं से एक पुरानी आवाज़ फिर सुनाई देती है' अरे ओ सांभाज होली कब है? समय बदल गया, तरीके बदल गए, लोग भी बदल गए पर यह सवाल आज भी वहीं खड़ा है - कब है होली?

पर्व परंपरा

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

टमाटर हो या गुलाल, रंग तो मस्ती का होता है

घुमक्कड़ों के ट्रैवल वीडियो देखते रहने के क्रम में हमने नोमेडिक शुभम चैनल के ख्यात भारतीय यूट्यूबर शुभम् के साथ स्पेन के वेलेंसिया शहर के पास स्थित बुनयोल गांव की आभासी यात्रा की। यह गांव टमाटरों के साथ खेले जाने वाले सबसे प्रसिद्ध उत्सव 'ला टोमाटिना' (La Tomatina) के लिए प्रसिद्ध है। यह दुनिया की सबसे बड़ी 'फूड फाइट' मानी जाती है। इस दिलचस्प और लाल-रंग के उत्सव को स्पेन के वैलेंसिया शहर के पास स्थित बुनयोल (Buñol) नाम के गाँव में हर साल अगस्त के आखिरी बुधवार को मनाए जाने की शुरुआत 1945 में हुई थी। कहा जाता है कि एक परेड के दौरान कुछ युवाओं के बीच झगड़ा हो गया और पास में टमाटर की रेहड़ी देखकर उन्होंने एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने शुरू कर दिए। अगले साल फिर उन्हीं युवाओं ने घर से टमाटर लाकर लड़ाई की, और धीरे-धीरे यह एक परंपरा बन गई।

होली का पर्व हमारे तन मन को उमंग और उत्साह से भर देता है। हमारे देश के विभिन्न अंचलों में रंगों का यह त्योहार लगभग पंद्रह दिनों तक मनाया जाता है। होलिका दहन के बाद दूसरे दिन धुलेंडी, पांचवे दिन रंग पंचमी और तेरहवें दिन रंग तेरस या नहान के दिन इस पर्व पर अलग ही जोश और रंग बिखर जाते हैं। वैसे समूचे विश्व में इसी तरह के रंगभीगे त्योहार अलग अलग दिनों में मनाए जाने की परंपरा रही है।

घुमक्कड़ों के ट्रैवल वीडियो देखते रहने के क्रम में हमने नोमेडिक शुभम चैनल के ख्यात भारतीय यूट्यूबर शुभम् के साथ स्पेन के वेलेंसिया शहर के पास स्थित बुनयोल गांव की आभासी यात्रा की। यह गांव टमाटरों के साथ खेले जाने वाले सबसे प्रसिद्ध उत्सव 'ला टोमाटिना' (La Tomatina) के लिए प्रसिद्ध है। यह दुनिया की सबसे बड़ी 'फूड फाइट' मानी जाती है। इस दिलचस्प और लाल-रंग के उत्सव को स्पेन के वैलेंसिया शहर के पास स्थित बुनयोल (Buñol) नाम के गाँव में हर साल अगस्त के आखिरी बुधवार को मनाए जाने की शुरुआत 1945 में हुई थी। कहा जाता है कि एक परेड के दौरान कुछ युवाओं के बीच झगड़ा हो गया और पास में टमाटर की रेहड़ी देखकर उन्होंने एक-दूसरे पर टमाटर फेंकने शुरू कर दिए। अगले साल फिर उन्हीं युवाओं ने घर से टमाटर लाकर लड़ाई की, और धीरे-धीरे यह एक परंपरा बन गई।

वीडियो में ट्रैवलर शुभम और उनके साथियों ने अपने यहां की होली जैसा भरपूर मजा लिया और टमाटरों से सराबोर होते गए। स्थानीय नागरिकों के साथ साथ उनका आनंद और उल्लास भी देखने लायक था। टमाटरों से खेली जाने वाली इस होली के कुछ खास नियम भी होते हैं मसलन टमाटर फेंकने से पहले उन्हें हाथ से कुचलना जरूरी है ताकि किसी को चोट न लगे। केवल टमाटर ही फेंके जा सकते हैं। उत्सव शुरू होने और खत्म होने की सूचना एक खास 'पटाखे' (Carcasa) से दी जाती है। उत्सव की शुरुआत 'पालो जाबोन' (Palo Jabón) से होती है, जिसमें एक चिकने खंभे के ऊपर रखे 'हैम' (Ham) को उतारने की कोशिश की जाती है। जैसे ही कोई उसे उतार लेता है, टमाटर की जंग शुरू हो जाती है।

स्पेन की लोकप्रियता को देखते हुए दुनिया के कई अन्य देशों ने भी अपने यहाँ 'टोमाटिना' जैसे उत्सव शुरू किए हैं। कोलंबिया के सुतामार्चन (Sutamarchán) में जून के महीने में टमाटर उत्सव मनाया जाता है। यहाँ टमाटर की अधिक पैदावार का जश्न मनाने के लिए लोग सड़कों पर उतरते हैं।

कोस्टा रिका (La Tomatina in Costa Rica) के वल्र्वर्डे वेगा (Valverde Vega) क्षेत्र में फसल उत्सव के दौरान टमाटर की लड़ाई आयोजित की जाती है। चीन के ग्वांगडोंग प्रांत में भी स्पेन की तर्ज पर टमाटर उत्सव आयोजित किया गया है, हालांकि यह मुख्य रूप से पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए है। यद्यपि भारत में भी बैंगलोर और दिल्ली जैसे शहरों में 'ला टोमाटिना' आयोजित करने की कोशिश की गई थी, लेकिन भोजन की बर्बादी को लेकर होने वाले विरोध और सामाजिक संवेदनशीलता के कारण इसे बड़े स्तर पर बढ़ावा नहीं मिल सका।

उल्लेखनीय है कि उत्सव खत्म होने के एक घंटे के भीतर, दमकल की गाड़ियाँ सड़कों को धो देती हैं। टमाटर में मौजूद सिट्रिक एसिड (Citric Acid) सड़कों की सफाई के लिए एक प्राकृतिक क्लीनर का काम करता है, जिससे सड़कें पहले से कहीं ज्यादा चमक उठती हैं। अनेकों घुमक्कड़ और पर्यटक विश्वभर के देशों से इसमें शामिल होने आते हैं और अपने कैमरों से यहां के इस उत्सव को सहेज लेते हैं।

स्पेन के इस उत्सव को देखकर हमारे जैसे ठेठ मालवी व्यक्ति के मन में मध्यप्रदेश के इंदौर की रंगपंचमी जैसे रंगारंग उत्सव का चित्र उभर आना स्वाभाविक है। इन्दौर की रंगपंचमी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि इस शहर की धड़कन और पहचान है। होली के पांच दिन बाद चैत्र मास की कृष्ण पक्ष की पंचमी को मनाई जाने वाली यह परंपरा आज एक वैश्विक आयोजन का रूप ले चुकी है।

इन्दौर की रंगपंचमी का इतिहास लगभग 300 साल पुराना है, जिसकी जड़ें होल्कर राजवंश से जुड़ी हैं। होल्कर राजाओं के समय इसकी शुरुआत हुई थी। उस दौर में राजा स्वयं अपनी प्रजा के साथ होली खेलने के लिए निकलते थे। पुराने समय में बैलगाड़ियों में फूलों से बने प्राकृतिक रंग और टेसू के फूलों का पानी भरा जाता था। राजपरिवार के सदस्य जनता पर रंग छिड़कते थे, जिससे ऊंच-नीच का भेद मिट जाता था।

रंगपंचमी पर निकलने वाले जुलूस को स्थानीय भाषा में 'गेर' कहा जाता है। यह इन्दौर की सबसे बड़ी विशेषता है। शहर के राजवाड़ा क्षेत्र से विभिन्न संस्थाओं द्वारा गेर निकाली जाती है। इसमें बड़े-बड़े मिसाइल नुमा पंपों से हवा में 50-60 फीट की ऊंचाई तक गुलाल और रंगीन पानी उछाला जाता है। पूरा आसमान रंगों से ढक जाता है। लोग ढोल-ताशों की थाप पर नाचते हुए चलते हैं।

इन्दौर की रंगपंचमी की सबसे खास बात इसकी सामूहिकता है। राजवाड़ा के आसपास के 3/4 किलोमीटर के दायरे में एक साथ 5 से 7 लाख लोग जमा होते हैं। इसमें अमीर-गरीब, जाति-धर्म का कोई बंधन नहीं होता। हर कोई रंगों में सराबोर होकर 'इन्दौरी मस्ती' में डूबा रहता है। इतनी विशाल भीड़ होने के बावजूद इन्दौर के लोग अनुशासित रहते हैं, जो यहाँ की नागरिक चेतना को दर्शाता है।

इन्दौर की रंगपंचमी अब केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है। इन्दौर की गेर को यूनेस्को की सांस्कृतिक विरासत सूची (Intangible Cultural Heritage) में शामिल करने के प्रयास किए गए हैं, जिससे इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। अब विदेशों से भी फोटोग्राफर्स और पर्यटक विशेष रूप से इस नजारे को देखने और कैद करने इन्दौर आते हैं।

स्पेन की टमाटर वाली लाल रंगी होली से बहुत सारी समानता के बावजूद कुछ तो अलग है जो इंदौर की रंगपंचमी को खास बनाता है। इन्दौर की रंगपंचमी 'अतिथि देवो भवः' और 'मिलनसारिता' का जीवंत उदाहरण है। यहाँ की हवा में उड़ने वाला गुलाल प्रेम और भाईचारे का संदेश देता है। यहां की मस्ती में संस्कृति और आध्यात्म की बांसुरी सुनाई देती है।

होली

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

हर रंग जीवन बन कर नाचने और गाने लगता है

प्रकृति की जो विविधता है, जो नित्य नयापन है वह सब रंगों के साथ ही खिलता है। प्रकृति में जो खिलना है वह कहीं और नहीं मूर्तरूप में रंगों में ही दिखता है। जब होली के रंग की बात की जाती है तो स्वाभाविक रूप से हम अपनी उस दुनिया के बारे में बात करते हैं जिसे हम सब जी रहे होते हैं। होली जीना होता है। यह सच है कि जो जी नहीं सकता, जो खुश होना नहीं जानता वह भला होली के रंगों को कैसे खेलेगा। होली के रंगों में खेलने का रंगों में रच जाने का और जीवन के उत्सव भाव को जीने की ज़िद होती है। इस पर्व में सब कुछ को जी लेने का भाव होता है। रंगों में उत्सव होता है, जीवन होता है और वैभव होता है। सब कुछ जब एक जगह पर मिल जाते हैं तो रंगों की दुनिया बनती है। ये रंग मन मस्तिष्क पर राज करने के लिए होते हैं। कहते हैं कि हमारी दुनिया इतनी रंग भरी है कि इस दुनिया के रंग का कोई अनुमान भी नहीं लगा सकता। होली पर यह दुनिया ही प्रकट हो जाती है।

होली के रंग जीवन के रंग होते हैं। ये रंग इस तरह से मिलते हैं कि जैसे लगता है कि इनके बिना तो जीवन में कुछ है ही नहीं। जो रंगों से नहीं खेले या जिनकी दुनिया में रंग ही नहीं आए उनका कोई अर्थ ही नहीं होता। रंगों से दूर होकर किसी तरह से कोई कल्पना भी नहीं की जा सकती है। रंग रचने लगते हैं, रंग है तो संसार है और संसार का पूरा वैभव रंगों के साथ ही घूमता रहता है। हर रंग की महिमा है और ये रंग प्रकृति के भीतर से आते हैं। प्रकृति की जो विविधता है, जो नित्य नयापन है वह सब रंगों के साथ ही खिलता है। प्रकृति में जो खिलना है वह कहीं और नहीं मूर्त रूप में रंगों में ही दिखता है। जब होली के रंग की बात की जाती है तो स्वाभाविक रूप से हम अपनी उस दुनिया के बारे में बात करते हैं जिसे हम सब जी रहे होते हैं। होली जीना होता है। यह सच है कि जो जी नहीं सकता, जो खुश होना नहीं जानता वह भला होली के रंगों को कैसे खेलेगा । होली के रंगों में खेलने का रंगों में रच जाने का और जीवन के उत्सव भाव को जीने की ज़िद होती है। इस पर्व में सब कुछ को जी लेने का भाव होता है। रंगों में उत्सव होता है, जीवन होता है और वैभव होता है। सब कुछ जब एक जगह पर मिल जाते हैं तो रंगों की दुनिया बनती है। ये रंग मन मस्तिष्क पर राज करने के लिए होते हैं। कहते हैं कि हमारी दुनिया इतनी रंग भरी है कि इस दुनिया के रंग का कोई अनुमान भी नहीं लगा सकता। होली पर यह दुनिया ही प्रकट हो जाती है। होली के दिन बच्चों से लेकर बड़े बुजुर्ग सब रंगों के महासागर में ऐसे डूब जाते हैं कि बस दुनिया एक साथ दिखने लगती है। होली के रंगों में वेग, उत्साह और उमंग सब होते हैं। इन रंगों को लेकर बच्चे ऐसे चलते हैं दुनिया उनकी मुट्ठी में ही हो और यह मुट्ठी जादुई रंगों से भरी होती है। यह भी कह सकते हैं कि होली हमें स्वाभाविक रूप से उत्सव में लेकर जाती है, हमारे प्राकृतिक होने की कहानी कहती है। यह भी सच है कि होली के कारण मन के मैल भी मिटते हैं। बुरा न मानो होली है कहकर जिसे हम रंग लगाते हैं उसके बैर को भी भुलाने को कहते हैं। जिसके यहां सालों से गये नहीं होते उससे भी होली के रंग ही मिला देते हैं। यह रंग हमारे भीतर के देवता को जगाने का काम करता है। इस तरह से होली जोड़ने का काम करती है। यह होली हर तरह के भेदभाव को भुलाकर सबको बस एक रंग में रंग देना चाहती है। रंग भी इस तरह से रंगा जाए कि आदमी रंगों में डूब जाए। होली का पर्व आधे अधूरेपन से नहीं होता बल्कि पूरे मन की सत्ता को समझने का कार्य करता है। होली के रंग इस तरह से रंग जाने को कहते हैं कि बस ये रंग ही जीवन है। रंगों का उत्सव ही होली के रंग में होता है। यहां रंग गति करते हैं गति ही नहीं नृत्य भी करते हैं। जब रंग नृत्य करते हैं तो कोई भी रंग बस एक रंग भर नहीं होता बल्कि हर रंग जीवन बन गाने और नाचने लगता है। रंग ऐसे चलते हैं कि पूछिए मत कहां जा रहे हैं। रंग कहां से कहां चले जाते हैं यह बस सोचते रहिए। रंगों का झरना चल पड़ता है। रंग एक साथ मन पर देह पर और दिल दिमाग पर पड़ते हैं। रंग में आदमी भीगता है और यह भीग जाना मन और आत्मा के भीग जाने जैसा होता है। रंगों ने उपर से लेकर नीचे तक भीगों देने का काम करते हैं। कहा जाता है कि उसने नहा लिया है जो होली में रंगों से नहाता है सच में वह जीवन जीता है। होली का पर्व बहुत कुछ कहता है, यह हमारे मूल में जाने के लिए कहता है, मनुष्य के स्वभाव में ही उत्साह व उल्लास होता है। वह किसी न किसी बहाने से जीवन के लिए उत्सव खोजता रहता है कैसा भी समय हो यदि जीना है तो उल्लास के साथ जीने की कोशिश करते रहना चाहिए। होली के रंग उल्लास के ही रंग होते हैं। जीवन में जो एकरसता होती है उसे दूर करने का काम होली के रंगों से होता है। हर रंग अपने आप में पूरी एक दुनिया होता है और दुनिया को जीने के लिए ही आदमी रंगों में उतरता है। रंग पर रंग चढ़ जाते हैं, एक रंग पर अनेकशः रंग होली के रंग होते हैं। कह सकते हैं कि होली के रंग जीवन के ही रंग होते हैं जहां जीवन होता, जहां जीवन धर्मी उत्सव व स्वभाव होता वहां होली के रंग खिलते हैं। होली के रंग को लिए लिए सब आ जाते हैं और यह भी सच है कि जिसे जो रंग मिलता है वहीं रंग लेकर वह आ जाता है। रंग यहां आपस में बात करते हैं, एक दूसरे को समझते हुए रंगों की बरसात ऐसे होती है कि बस यही लगता है कि आसमान से रंगों की बारिश हो रही है। विधाता ने मानो जीवन के उल्लास के लिए ही रंगों की योजना बनाई हो और हर रंग प्रकृति के उत्सव को लेकर ही हवा में उड़ते हैं। प्रकृति ही खिल जाती है और प्रकृति के इस खिले रूप को कोई और नहीं रंग ही पूरा करते हैं। रंगों के साथ ही दुनिया इस तरह से सज जाती है कि दुनिया को बस देखते रहिए। होली का पर्व लोकतांत्रिक स्वभाव को लिए हुए होता है यहां हर रंग प्रकृति के उत्सव को अभिव्यक्त करने का काम करता है।

मुद्दा

सुसंस्कृति परिहार

लेखक स्तंभकार हैं।

होलिका दहन से पहले बढ़ती आग

यह युद्ध वास्तव में सिर्फ एक शिक्षा मुस्लिम देश पर अपना साम्राज्य फैलाने के उद्देश्य से अमरीका ने इज़राइल से करवाया था लेकिन ईरान की ताकत का एहसास उसे था इसलिए वह भी जंग में शामिल हो गया। ईरान ने सबसे पहले उन मुस्लिम आठ देशों पर उन जगहों पर हमले किए जहां इन देशों ने अमरीका की चाटुकारिता करते हुए उसके सैनिक अड्डे बनाए थे। इसलिए ईरान के आक्रमण के बाद इन नौ देशों जिसमें इज़राइल भी शामिल है धधक रहे हैं।

हालांकि होली का पावन पर्व प्रकृति के रंगों से दो-चार होने का त्यौहार है जिसमें जात-पात और धर्मों की बात नहीं होती। यह प्रकृति के साथ खुश होने का पर्व है। लेकिन इसमें होलिका बुआ जिसे कहा जाता है आग से बचने की कथित दैवीय शक्ति थी वह अपने भतीजे प्रहलाद को मारने उसे गोद में लेकर बैठ जाती है ताकि उसके भाई हिरण्यकश्यप का निर्बाध गति से आतंकी शासन चलता रहे। किंतु दैवीय शक्ति धरी रह जाती है और प्रह्लाद होलिका के साथ से छूटकर बच जाता है जिसे अन्यायी के विरुद्ध न्याय की जीत बताया जाता है।

इस मिथक को लेकर जगह जगह होलिका दहन के कार्यक्रम होते हैं जो आज के दौर में एक स्त्री को जलते देखना दमन का प्रतीक नज़र आता है। कहते हैं होलिका दहन के बाद से वास्तविक गर्मी की शुरुआत होती है। किंतु इस बार तो दुनिया के सबसे बड़े हत्यारे देश अमरीका ने हद ही कर दी मुसलमानों के मुक़द्दस पर्व पर मुस्लिम देशों में हाहाकार, चीत्कार और मिसाइलों और बमों की आग के धुंए में इस ताप को इतना बढ़ा दिया है कि वह सुलगता ही जा रहा है।

यह युद्ध वास्तव में सिर्फ एक शिक्षा मुस्लिम देश पर अपना साम्राज्य फैलाने के उद्देश्य से अमरीका ने इज़राइल से करवाया था लेकिन ईरान की ताकत का एहसास उसे था इसलिए वह भी जंग में शामिल हो गया। ईरान ने सबसे पहले उन मुस्लिम आठ देशों पर उन जगहों पर हमले किए जहां इन देशों ने अमरीका की चाटुकारिता करते हुए उसके सैनिक अड्डे बनाए थे। इसलिए ईरान के आक्रमण के बाद इन नौ देशों जिसमें इज़राइल भी शामिल है धधक रहे हैं।

ईरान की राजधानी तेहरान और इज़राइल की राजधानी तेलअबीब के बीच युद्ध से दोनों देश अशांत हैं।इस बीच ईरान प्रमुख अयातुल्ला खामेनेई की जिस तरह शहादत दी गई उसने ईरान के साथ ही समूचे मध्यपूर्व एशिया के साथ चीन और रुस को भी उद्वेलित कर दिया।जिसके परिणामस्वरूप तृतीय विश्व युद्ध की स्थिति बन रही है। जबकि अमरीका और इज़राइल अपनी बर्बाद मारक क्षमता की वजह से युद्ध बंदी की अपील कर चुके हैं।इस बार एक दमदार युद्ध के लिए प्रतिबद्ध देश से यह उम्मीद नहीं की जा सकती है कि वह युद्ध विराम करेगा। मतलब साफ़ है इस बार अमेरिका की साम्राज्य वाली और चुनी हुई सरकारों में सेंध लगाकर सत्ता पलटने का खेल उसे मंहगा पड़ने वाला है। कोरिया, तुर्की, पाकिस्तान, अज़रबैजान,चीन खुलकर ईरान के साथ खड़े हो गए हैं। अमेरिका से त्रस्त बड़ी संख्या में देश गिराने समर्थन में जुटेंगे।

भारत की भूमिका संदिग्ध है इसलिए इसका खामियाजा उसे भुगतना पड़ सकता है।यही वजह है पाकिस्तान बार्डर से लगे राज्यों में एलर्ट जारी है तथा श्रीनगर में अवाम को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहे। स्कूल, कालेज बंद कर दिए गए हैं।

कुल मिलाकर हमारे आसपास आग की लपटें है हम कब तक सुरक्षित रह पाते हैं यह आगत बताएगा। समझदारी इसमें है कि भारत अमेरिका से अपना अतिरिक्त सम्मोहन त्याग कर एक मध्यस्थ बनकर चीन, रुस के साथ खड़े होकर आततायी देश को प्रह्लाद की नाईं संबल दे। होली पर रंग बिखरें, भाल पर गुलाल हो और अमन की बात हो। रमजान में खून बहता रहे यह उचित नहीं। दुनिया में बढ़ते ताप को कम करने में सबसे बड़ी आबादी वाला भारत अहम् भूमिका निभाएं।

गुरु के प्रति श्रद्धा और आस्था का अनूठा रंग 'बालीपुर सरकार के जन्मोत्सव पर गुरु के धाम में आस्था का सैलाब '

श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज का 106वां जन्मोत्सव भव्य और यादगार बन गया

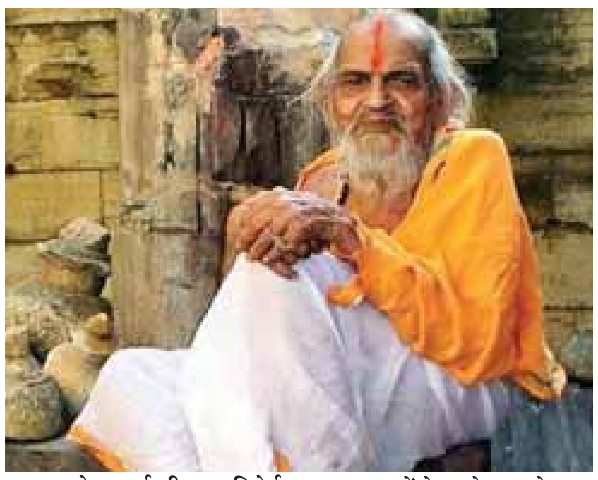

राजेश शर्मा की खास रिपोर्ट

जय जय गुरुदेव की गूंज से गुंजायमान होता गगन। क्या बच्चे - क्या बुजुर्ग - मातृशक्ति सब पर गुरु देव की दीवानगी का रंग... हर और आता गुरू भक्तों का कारवां। चारों दिशाओं में केवल गुरु भक्त ही गुरु भक्त। हिलौरे लेती आस्था - मानों बालीपुर सरकार (श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज) के धाम में आस्था का समंदर। गुरू के प्रति यही आस्था ही तो सनातन धर्म और संस्कृति की शक्ति और वैभव से दुनिया को परिचित कराती है। उत्साह और उल्लास ऐसा कि गुरू भक्तों ने जन्मोत्सव को भव्य - दिव्य और यादगार बना दिया।

अपने गुरु के प्रति दीवानगी और आस्था ही बालीपुर धाम को दिव्य-भव्य और पावन बनाती है- आई शुभ घड़ी - पावन घड़ी - इंतज़ार की घड़ी मानों बरसों के इंतजार बाद यह पल अवतरित हुआ हो धरा पर। यह वो पल है जिसे देखने के लिए हर गुरूभक्त बरसों इंतजार करता है। अपने गुरु के प्रति दीवानगी और आस्था ही बालीपुर धाम को दिव्य- भव्य और पावन बनाती है।

होली की पूर्णिमा की पावन बेला श्री श्री 1008 गजानन जी महाराज के 106 वे जन्मोत्सव से मानों इतिहास के पन्नों में अंकित होने वाली तिथि है। श्री अंबिका आश्रम बालीपुर धाम में प्रमुख उत्सव बालीपुर सरकार का जन्मोत्सव है जो होली की पूर्णिमा को मनाया जाता है।

बालीपुर सरकार की तपोस्थली 'बालीपुर धाम' लाखों - लाख गुरूभक्तों की आस्था का केंद्र- बालीपुर सरकार की तपोस्थली 'बालीपुर धाम' लाखों - लाख गुरूभक्तों की आस्था का केंद्र। आस्था का यह दिव्य दरबार निमाड़ - मालवा और मध्यप्रदेश ही नही वरन् भारत भर में फैले गुरु भक्तों की श्रद्धा और दीवानगी से अलौकिक और अनुपम छटा के दर्शन कराता है। तभी तो इस पावन धरा की रज- रज और कण - कण वंदनीय है.. संपूर्ण निमाड़ अंचल के लिए आज होली की पूर्णिमा का दिन उत्सव और उल्लास का दिन है। गुरूदेव की साक्षात कृपा और गुरू भक्तों की निष्ठा से आज यह मनमोहक दृश्य आया। आज बालीपुर धाम ही नही वरन् संपूर्ण गगन 'जय - जय गुरूदेव' की गुंज से गुंजायमान हो उठा।

भक्तों द्वारा सवा लाख पाठ दुर्गा चालीसा, सवा लाख पाठ हनुमान चालीसा के किए

प्रातः स्मरणीय, वंदनीय, यज्ञाचार्य,तपोनिष्ठ श्री श्री 1008 श्री गुरू गजानन जी महाराज श्री अंबिका आश्रम श्रीबालीपुरधाम में बाबा जी का 106 वां अवतरण दिवस वैदिक पाठ, भक्तों द्वारा 70 रामायण के पाठ का परायण किया गया और गायत्री मंत्र जाप के माध्यम से अवतरण दिवस को धूमधाम से मनाया गया। 24 फरवरी से 2 मार्च तक सवा लाख पाठ हनुमान चालीसा, सवा लाख पाठ श्री दुर्गा चालीसा के हुए। केशव जी भक्त द्वारा 10 घंटे में रामायण पाठ किया गया जो बाबाजी के आशीर्वाद से उनकी यह बडी उपलब्धि है।

संतश्री सुधाकरजी महाराज, संतश्री योगेशजी महाराज के सानिध्य में निकली भव्य शोभायात्रा

आश्रम में जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर संतश्री सुधाकरजी महाराज, संतश्री योगेशजी महाराज के सानिध्य में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा आश्रम से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः आश्रम पहुंची। इस दौरान श्रद्धालु भक्ति में मग्न होकर नृत्य और कीर्तन करते रहते हुए दिखाई दिए। शोभायात्रा में ढोल-तासे, मांदल, डीजे, छतरी नृत्य, आदिवासी नृत्य, बग्घी आकर्षण का केंद्र थे। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं-पुरूष नृत्य करते हुए चल रहे थे। बंकनाथ अटल दरबार मंदिर से बालीपुर धाम तक गुरू भक्तों ने भजनों के साथ भगवान शिव-पार्वती की वेशभूषा में दल द्वारा नृत्य करते हुए धूमधाम से यात्रा निकाली। शोभायात्रा के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

खास-खास

- गायक गोकुल शर्मा एवं शशांक तिवारी कुंदनपुर द्वारा भजनों की प्रस्तुत दी गई।
- श्री अंबिका आश्रम बालीपुर धाम में प्रमुख उत्सव बालीपुर सरकार का जन्मोत्सव है जो होली की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
- उत्साह और उल्लास ऐसा कि गुरू भक्तों ने जन्मोत्सव को भव्य - दिव्य और यादगार बना दिया।

चलती ट्रेन के सामने आया युवक, मौत

बैतूल। मलकापुर रेलवे स्टेशन पर बीती रात एक अज्ञात युवक ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना उस समय हुई जब मदुरै-कानपुर सेंट्रल स्पेशल ट्रेन (गाड़ी संख्या 01928) स्टेशन से गुजर रही थी। ट्रेन चालक के मुताबिक युवक अचानक पटरी पर आ गया, जिससे वह ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना प्लेटफॉर्म क्रमांक 1 के पास किलोमीटर 858/3 से 858/1 के बीच हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी। मृतक की उम्र करीब 30 से 35 वर्ष बताई जा रही है। मृतक ने काले रंग की हाफ शर्ट और नीली जींस पहन रखी थी। उसके बाएं हाथ पर अंग्रेजी में एमएस अक्षर गुदा हुआ है। दाहिने हाथ की अनामिका उंगली में पीले रंग की अंगूठी भी मिली है। इन निशानों के आधार पर पुलिस उसकी पहचान कराने की कोशिश कर रही है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल शव जिला अस्पताल की मर्चरी में रखा गया है। आसपास के थानों से गुमशुदा युवकों की जानकारी जुटाई जा रही है। स्थानीय पुलिस भी मृतक के परिजनों की तलाश में लगी हुई है।

युवा संगम के तहत रोजगार मेला 11 मार्च को

बैतूल। मध्य प्रदेश शासन के तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम के तहत रोजगार, स्वरोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप रोजगार मेले का आयोजन 11 मार्च को प्रातः 11 से 4 बजे तक शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था सदर बैतूल में किया जाएगा। रोजगार मेले का नोडल जिला रोजगार अधिकारी एवं प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था को नियुक्त किया गया है।

4 मार्च को जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाएं खुली रहेंगी

बैतूल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि आगामी होली पर्व के अवसर पर शासकीय अवकाश 4 मार्च 2026 को जिले की सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थाएं सुबह 9 बजे से 11 बजे तक खुली रहेंगी। इस दौरान ओ.पी.डी. चालू रहेगी और सभी निर्धारित स्टाफ को अस्पताल में मरीजों के इलाज और स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए उपस्थित रहना होगा। सीएमएचओ डॉ. हुरमाड़े ने कहा कि यह व्यवस्था अवकाश के दिनों में भी आकस्मिक चिकित्सा सुविधाएं मरीजों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। ताकि कोई भी मरीज इलाज से वंचित न रहे और उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर मिल सकें।

विश्व श्रवण दिवस 6 मार्च को

बैतूल। राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के अंतर्गत 6 मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि विश्व श्रवण दिवस का उद्देश्य बहरेपन एवं सुनने की क्षमता में कमी के बारे में जागरूकता बढाने, कान और श्रवण संबंधित देखभाल को बढावा देने के लिए मनाया जाता है। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी एवं आशा के द्वारा कान एवं श्रवण संबंधित देखभाल संबंधी जानकारियों से अवगत कराया जाएगा एवं स्वास्थ्य केन्द्र पर आने वाले लोगों का श्रवण संबंधित परीक्षण कर आवश्यकता अनुसार निकटतम उच्च स्तरीय स्वास्थ्य केन्द्र में रेफर किया जाएगा।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 117 बालिकाओं का किया टीकाकरण

बैतूल। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए सोमवार को जिला चिकित्सालय में 4 बालिकाओं को टीकाकरण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाडे ने बताया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठनेर में 1, सेहरा में 32, भैंसदेही में 06, भीमपुर 21, चिचोली में 3, घोड़ाडोगरी में 19, प्रभात पटटन में 3, आमला में 13, मुलताई में 15 इस प्रकार जिले में कुल 117 बालिकाओं को एचपीवी टीकाकरण किया गया।

मीथेन उत्पादन के लिए मार्च में शुरू होगा काम, मिलेगी बड़ी सौगात

शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर में होगा प्रोजेक्ट का संचालन

बैतूल। जिले के घोडाडोंगरी और शाहपुर क्षेत्र में संभवतः मार्च माह से मीथेन गैस का उत्पादन शुरू हो सकता है। यहां इन्वेनायर पेटोडायन कंपनी नोएडा ने 1771 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन लाइसेंस लेकर सर्वे किया था। सर्वे में 5 जगहों से 37 हजार 313 हेक्टेयर में बेहद अच्छी क्वालिटी की ज्वलनशील और शुद्ध मीथेन का भंडारण मिला है। इन दोनों तहसीलों में कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट का जिस कंपनी को लाइसेंस जारी हुआ है, वह संभवतः मार्च महीने से काम शुरू कर सकती है। इस प्रोजेक्ट का काम शुरू होने से जहां क्षेत्र के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा, वहीं क्षेत्र के कारोबार में भी खासा इजाफा हो सकेगा। गौरतलब है कि शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर क्षेत्र में इस परियोजना का संचालन होगा। सर्वे में इस क्षेत्र में मीथेन गैस के भंडार होने की पुष्टि हुई थी। क्षेत्र के गुवाड़ी, सातलदेशी, बटकीडोह सहित करीब आधा दर्जन पॉइंट चिन्हित किए गए हैं जहां मीथेन गैस प्रचुर मात्रा में है। इसके लिए इन दोनों तहसीलों में 5 खनि रियायतें स्वीकृत हैं। मीथेन उत्पादन के लिए भोपाल में 17 और 18 अक्टूबर 2024 को आयोजित माइनिंग कॉन्क्लेव में 5 हजार करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव मिला था। इसके लिए नोएडा की कंपनी मेसर्स इन्विनावर पेटोडाइन को लाइसेंस जारी किया गया है। यह लाइसेंस पेट्रोलियम एक्सप्लोरेशन के लिए जारी किया गया है।

जनवरी में शुरू होने वाला था काम, अब मार्च में होगा शुरू- बैतूल में जो मीथेन गैस जमीन में दबी है, उसे निकालने जनवरी से काम शुरू होने वाला था, लेकिन किन्हीं कारणों की वजह से यह काम शुरू नहीं हो पाया। इस संबंध में खनिज विभाग के अधिकारियों ने कंपनी से चर्चा की तो उन्होंने मार्च में काम शुरू करने की बात कही हैं। बता दे कि सर्वे में 5 जगहों से 37 हजार 313 हेक्टेयर में बेहद अच्छी क्वालिटी की ज्वलनशील और शुद्ध मीथेन का भंडारण मिला है। इस गैस को निकालने के लिए 5 जगह पर खुदाई की जाएगी। मीथेन बैतूल के कोसमी औद्योगिक क्षेत्र, मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र, देवास और इंदौर के औद्योगिक क्षेत्रों में तो जाएगी ही, साथ ही बैतूल में घरों में भी इसकी सप्लाई की अलग से छोटी पाइप लाइन बिछाने की योजना भी बनाई है।

बनाये जायेगे पांच गैस गैदरिंग स्टेशन – घोडाडोंगरी और शाहपुर में पांच गैस गैदरिंग स्टेशन और 22 किलोमीटर पाइप लाइन बिछाने के लिए काम होगा। कंपनी ने सर्वे पूरा कर पाइप लाइन का रूट बना लिया है, अब मार्च से गैस गैदरिंग प्लांट लगाएगी। इसके बाद पहले से बिछी एलपीजी की पाइप लाइनों को तलाशकर और नई पाइप लाइनें बिछाकर इन्हें इंडस्ट्रीज और घरों में ईंधन के रूप में पहुंचाने का नेटवर्क बनाया जााएगा। गैस गैदरिंग प्लांट से इसे पाइप लाइनों के जरिए प्रोसेसिंग आर कंप्रेसिंग करते हुए सीधे इस्तेमाल करने लायक बनाकर जरूरत वाली जगहों पर भेजा जाएगा। मीथेन गैस निकालने का काम मार्च से होना संभावित है। इससे डेवलपमेंट होगा और जिले का रेवेन्यू बढने के भी आसार है।

आधा दर्जन पाइंट चिन्हित, जहां प्रचुर मात्रा में मीथेन गैस- शाहपुर एवं घोड़ाडोंगरी तहसील में 37.313 हेक्टेयर क्षेत्र में इस परियोजना का संचालन होगा। सर्वे में इस क्षेत्र में मीथेन गैस के भंडार होने की पुष्टि हुई थी। क्षेत्र के गुवाड़ी, सातलदेशी, बटकीडोह सहित करीब आधा दर्जन पॉइंट चिन्हित किए गए हैं जहां मीथेन गैस प्रचुर मात्रा में है। इसके लिए इन दोनों तहसीलों में 5 खनि रियायतें स्वीकृत हैं। इन दोनों तहसीलों में कोल बेड मीथेन प्रोजेक्ट का जिस कंपनी को लाइसेंस जारी हुआ है. वह अगले महीने से काम शुरू कर सकती है। इस प्रोजेक्ट का काम शुरू होने से जहां क्षेत्र के युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा, वहीं क्षेत्र के कारोबार में भी खासा इजाफा हो सकेगा।

युवाओं के लिए बढ़ेगे रोजगार के अवसर- कंपनी द्वारा काम शुरू किए जाने से युवाओं को रोजगार के अवसर बढ़ेगे। इसके अलावा अन्य वस्तुओं की मांग भी बढ़ेगी, जिससे क्षेत्र का कारोबार काफी बढ़ेगा। खनिज विभाग के जरिए शासन को मिलने वाले राजस्व में सीधे तौर पर करीब पांच गुना वृद्धि होगी सकेगी। बताया जा रहा है कि वर्तमान में गौण खनिज के जरिए बैतूल जिले से शासन को लगभग 100 करोड़ का राजस्व प्राप्त हो रहा है जो सीधे बढक़र लगभग 500 करोड़ तक पहुंच सकता है। मीथेन गैस के उत्पादन से जिले में अन्य उद्योगों के लिए भी मार्ग प्रशस्त हो सकेगा। इस गैस का उपयोग पॉवर हाउस में लगे बड़े-बड़े टर्बाइनों को चलाने में किया जाता है। इसके अलावा रासायनिक रिएक्टरों, अनुसंधान केंद्रों और ईंधन के रूप में भी इस गैस की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। वाहनों के टायर बनाने वाली कंपनियां भी इसी गैस के आधार पर टायरों का उत्पादन करती हैं।

इनका कहना है –

मीथेन प्रोजेक्ट के लिए कंपनी पहले जनवरी माह में काम शुरू करने वाली थी, लेकिन किन्हीं कारणों से नहीं कर पाई। कंपनी के अधिकारियों से चर्चा हुई है और उनका कहना है कि वे मार्च महीने से काम शुरू कर देंगे।

– मनीष पालेवार, उप संचालक, खनिज विभाग बैतूल

विभिन्न योजनाओं में प्रगति के निर्देश

सोहागपुर। कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संभाग के तीनों जिलों नर्मदापुरम, हरदा, बैतूल के कलेक्टर्स से चर्चा की।श्री तिवारी ने तीनों जिले की विभिन्न योजनाओं में अद्यतन प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विभिन्न लंबित प्रकरणों की समीक्षा की।

एक तीर एक कमान,सारे आदिवासी एक समान, उमंग सिंगार के सम्मान में आदिवासी मैदान में, नारेबाजी के जुलूस

सोहागपुर। नवीन बस स्टैंड से सर्व आदिवासी समाज के तत्वावधान में विशाल जूलूस उमंग सिंगार के समर्थन में निकाला गया। इस जूलूस में सभी क्षेत्रों के आदिवासी मातृशक्ति एवं आदिवासी नागरिक बड़ी संख्या में शामिल थे। वहीं जूलूस के बेनर अंकित था।एक तीर एक कमान सारे आदिवासी एक समान।उस बेनर के बीचोंबीच नारों की अगूआई क्षेत्र के जुझारू कांग्रेस नेता पुष्पराजसिंह पटेल कर रहे थे। वहीं आदिवासी उनके स्वर में स्वर मिलाकर उत्साह से नारेबाजी करते चल रहे थे। नारेबाजी एक तीर एक कमान सारे आदिवासी एक समान, उमंग सिंगार तुम संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ, वहीं आदिवासी हाथों में तख्तियां लेकर चल रहे थे। तख्तियां पर भी इसी तरह के नारे लिखे हुए थे। वहीं कुछ तख्तियों में कैलाश विजयवर्गीय मुर्दाबाद के नारे अंकित थे। जुलूस नवीन बस स्टैंड से अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय पहुंचा। आन्दोलन कारियों एसडीएम

प्रियंका भल्लावी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन में कहा गया है कि नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के ऊपर विधानसभा सत्र के दौरान अभद्र टिप्पणी की गई। इस टिप्पणी के विरोध में जिले के समस्त आदिवासी संगठनों एवं सर्व आदिवासी समाज के द्वारा राज्यपाल से कैलाश विजयवर्गीय के इस्तीफा की मांग की जाती है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने पद की गरिमा का ध्यान न रखते जो नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार पर अभद्र टिप्पणी की गई है। हम सब उनकी घोर निंदा करते इस्तीफा की मांग करते है। इस अवसर पर कांग्रेस नेता पुष्पराज सिंह पटेल, विक्रम बहुदर शाह शोभा पुल,दीवान शैलेन्द्र सिंह,कमलेश उइके,अरुण प्रधान,सुरेखा शाह शोभापुर,बारेलाल पटेल, भगवानदास , पूर्व नपाध्यक्ष संतोष मालवीय,,अजय पटेल, हरि पटेल, वकील कार्तिक शर्मा,नीरज चोधरी, रंगीलाल धुर्वे, ग्यारसी, रंजीत सरयाम आदि उपस्थित थे।

जिला अस्पताल परिसर के गार्डन में लगी आग

कर्मचारियों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

बैतूल। जिला अस्पताल परिसर के भीतर स्थित गार्डन में सोमवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लगने की घटना सामने आई। आग लगते ही अस्पताल परिसर में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया, लेकिन समय रहते अस्पताल प्रशासन और कर्मचारियों की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया। जानकारी के अनुसार, यह आग जिला अस्पताल के पुराने गेट के सामने महिला एवं बाल रोग इकाई के पास स्थित बन गार्डन में लगी। बताया जा रहा है कि संभवतः किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बीड़ी या सिगरेट पीने के बाद उसे गार्डन की ओर फेंक दिया गया, जिससे वहां पड़ी सूखी पत्तियों में आग लग गई। सूखी पत्तियों की अधिकता के कारण आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। घटना की जानकारी मिलते ही जिला अस्पताल के आरएमओ डॉक्टर रानू वर्मा और अस्पताल के अन्य कर्मचारियों ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। कर्मचारियों ने उपलब्ध संसाधनों से आग पर काबू पाने की कोशिश की और साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई।

चंद्रग्रहण के कारण कल मनेगी धुरेंडी, धुरेंडी को लेकर बच्चों में उत्साह

बैतूल। इस साल होली तिथि और ग्रहण की गणना में उलझ गई है। रंगोत्सव को लेकर संशय बना हुआ है। यहीं वजह है कि जिले में सोमवार को कई स्थानों पर होलिका दहन किया गया। जिले भर में करीब 200 से अधिक स्थानों पर होली दहन हुआ। इसमें 50 से ज्यादा जगह पर कंडों से होली दहन की गई, वहीं धुलेंडी पर्व को लेकर पुलिस ने तैयारी पुरी कर ली है। इस साल होली पर्व पर चंद्रग्रहण होने के कारण धुरेंडी 4 मार्च को मनाई जोयगी। प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पंडित सतीश दुबे ने बताया कि इस वर्ष फाल्गुन पूर्णिमा तिथि 2 मार्च सोमवार की शाम से प्रारंभ हो जाएगी। शास्त्रीय गणना के आधार पर इसी दिन संध्या के समय होलिका दहन का शुभ मुहूर्त है। भद्रा काल से बचते हुए 2 मार्च की शाम को होलिका दहन किया गया। 3 मार्च मंगलवार को चंद्रग्रहण रहेगा, जो भारत में दिखाई देगा। ग्रहण दोपहर बाद से प्रारंभ होकर शाम तक रहेगा। ग्रहण के कारण सूतक काल प्रभावी रहेगा, जिसमें धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-पाठ, मांगलिक कार्य और उत्सव संबंधी कार्यक्रम वर्जित माने जाते हैं। इसी कारण 3 मार्च को रंगोत्सव न मनाते हुए 4 मार्च को धुरेंडी मनाई जायेगी। इस दिन ग्रहण का कोई प्रभाव नहीं रहेगा और लोग निश्चिंत होकर रंगोत्सव मना सकेंगे।

होली दहन को लेकर शाम तक चली तैयारियां- जिले भर में रंगों का त्योहार होली धूमधाम से मनाने के लिए युवाओं की टोलियों ने सोमवार शाम तक अपनी तैयारियां पूर्ण कर ली। जगह-जगह होली दहन के लिए होली की जमाई गई। शाम को महिलाओं ने होली का पूजन किया। हालांकि होली पर्व को लेकर सबसे ज्यादा उत्साह और उमंग का माहौल बच्चों में देखा गया। होली पर्व को लेकर जगह-जगह रंग-गुलाल की दुकानें भी सजी रही। कई लोगों ने रविवार और कुछ लोगों ने सोमवार को होली के लिए खरीदी की। जिससे बाजार में ग्राहकों की

भारी भीड़ नजर आई। सबसे ज्यादा सूखे रंगों की बिक्री हुई। जिसके पीछे लोगों की मंशा सूखे रंगों से होली खेलकर पानी बचाने का संकल्प था।

बच्चों के लिए उपलब्ध रही एक से बढक़र एक पिचकारियां- बाजार में बच्चों के लिए तरह-तरह की पिचकारी की दुकानें लगी रही। 2 मार्च को होली दहन और 4 को धुलेंडी की लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामनाएं दी। पर्व को रंगों की यादें चढ़ाने के लिए बाजार में हर्बल रंग, विशेष रूप से उपलब्ध रहे। इस वर्ष विशेष रूप से खुशबूदार हर्बल गुलाब बाजार में उपलब्ध रहा। बाजार में बच्चों के लिए 20 रुपए से लेकर 800 रुपए तक की पिचकारी बिकने के लिए आई थी। रंगों के इस पर्व को मनाने के लिए लोगों में उत्सुकता तो थी, ही साथ ही रासायनिक रंगों से परहेज करते भी नजर आए। जबकि साप्ताहिक बाजार में रंग और हर्बल कलर की एक से बढकर एक वैरायटी दुकानों में उपलब्ध थी।

पुलिस गश्त के साथ ड्रोन से से भी निगरानी की तैयारी – पुलिस ने पर्व पर सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर तैयारी कर ली है। जिले में कई जगहों पर सोमवार को होलिका दहन के बाद 3 मार्च को ग्रहण के कारण 4 मार्च को धुलेंडी का पर्व मनाया जाएगा। बताया जा रहा है कि इससे पुलिस को तैयारी करने के लिए समय मिलेगा। होलिका दहन के लिए शहर के मुख्य बाजार में ऐसे स्थान चिन्हित कर लिए है, जहां से आवागमन ज्यादा होता है। यहां पुलिस बल तैनात रहेगा। धुलेंडी पर प्रमुख चौराहों पर गश्त के साथ शराब पीकर वाहन चलाने और हुड़दंग दंग करने वालों पर सख्ती होगी।

परीक्षार्थी रहे पर्व से दूर- बोर्ड एवं स्थानीय परीक्षाएं आयोजित होने से परीक्षार्थी इस बार होली निर्माण एवं होली दहन से वंचित रहे। उन्हें साल भर होली का त्योहार खलता रहेगा। कक्षा 12वीं के छात्र अलोक ने बताया कि हमारी परीक्षाओं के चलते हम होली के त्यौहार में शामिल नहीं हो सके। इसी प्रकार मनीष विश्वकर्मा ने कहा कि इस बार हम होली उत्सव से दूर ही रहेगे, क्योंकि परीक्षाएं चल रही है। परीक्षा और पेपर की तैयारियों के कारण विद्यार्थियों ने होली निर्माण और होली दहन से दूरी बनाकर रखी।

कब है रंगवाली होली

होली के त्योहार का इंतजार सभी उम्र के लोगों को है. इस दिन आप एक ओर रंगों की होली खेलते हैं, तो दूसरी ओर आपके घर में कई तरह के स्वादिष्ट पकवान बनते हैं, जिससे होली का मजा दुगना हो जाता है. रंगोंवाली होली से ठीक पहले होलिका दहन किया जाता है. इस दिन चौक-चौराहों पर होलिका बनाकर उसमें आग लगाते हैं. होलिका दहन फाल्गुन पूर्णिमा को सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित प्रदोष मुहूर्त में करते हैं. लेकिन जब भद्रा होती है तो उसकी वजह से प्रदोष का मुहूर्त नहीं प्राप्त हो पाता है.

होलिका दहन 2026 कब है?

दृक पंचांग से फाल्गुन पूर्णिमा की तिथि का समय 2 मार्च दिन सोमवार को शाम 5 बजकर 55 मिनट से शुरू हो रहा है. अब यह तिथि 3 मार्च दिन मंगलवार को शाम 5 बजकर 7 मिनट पर खत्म हो जाएगी. फाल्गुन पूर्णिमा की उदया तिथि 3 मार्च को है. 2 मार्च को भद्रा का साया है, इस वजह से उस दिन होलिका दहन नहीं होगा. ऐसे में होलिका दहन 3 मार्च सोमवार को है.

होलिका दहन मुहूर्त

2 मार्च को जब पूर्णिमा तिथि शुरू हो रही है, उसी समय से भद्रा भी लग जा रही है. भद्रा 3 मार्च को तड़के 04:30 एएम तक रहेगी. ऐसे में होलिका दहन ब्रह्म मुहूर्त में प्रातः 5 बजकर 5 मिनट से 5 बजकर 55 मिनट के बीच होगा.

कुछ लोग भद्रा की पूंछ में भी होलिका दहन करते हैं, ऐसे में भद्रा की पूंछ में होलिका दहन का मुहूर्त 3 मार्च को 1:25 एएम से 2:35 एएम के बीच है.

रंगवाली होली 2026 कब है?

होलिका दहन के अगले दिन यानि चैत्र कृष्ण प्रतिपदा को रंगवाली होली खेली जाती है. 3 मार्च मंगलवार को होलिका दहन है, तो रंगवाली होली 4 मार्च दिन बुधवार को है. इस दिन लोग एक दूसरे को रंग, अबीर, गुलाल आदि लगाते हैं, मिठाई और पकवान खिलाते हैं, उसके बाद शुभकामनाएं देते हैं.

होली से पहले 5 शुभ चीजों को लाएं घर पूरे साल बना रहेगा मां लक्ष्मी का आशीर्वाद

साल 2026 में 4 मार्च के दिन होली का त्योहार पूरे देशभर में मनाया जाएगा। होली का त्योहार बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाता है। होली के दिन रंगों के साथ ही लोग गिलशिकवों को भी भुला देते हैं। इसके साथ ही धार्मिक दृष्टि से भी होली के दिन को बेहद खास माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, होली से पहले कुछ चीजों को घर लाकर आप जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं और माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं।

होली से पहले लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमा लाएं घर

होली के पावन पर्व से पहले आपको लक्ष्मी-गणेश की मूर्ति घर लानी चाहिए। इस मूर्ति को होली वाले दिन अपने पूजा स्थल पर या फिर अपनी तिजोरी में इस मूर्ति को आपको स्थापित करना चाहिए। ऐसा करने से आपको धन-धान्य की प्राप्ति होती है और साथ ही लक्ष्मी-गणेश का आशीर्वाद आप पर बना रहता है।

श्री यंत्र लाएं घर

होली से पहले आपको घर में श्री यंत्र की स्थापना करनी चाहिए। इस यंत्र को उत्तर-पूर्व दिशा में स्थापित करने से आपको शुभ फल प्राप्त होती है। इस यंत्र को स्थापित करने के बाद आपको प्रतिदिन इसकी पूजा भी करनी चाहिए। माना जाता है कि श्री यंत्र के घर में होने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं। पैसों से जुड़ी परेशानियों का अंत होता है।

कमल गट्टे की माला लाएं घर

कमल गट्टे की माला भी आप होली से पहले घर जरूर लाएं। इस माला को होली से पहले घर लाने से आपको माता लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होता है। होली से पहले इस माला को घर लाकर माता लक्ष्मी की मूर्ति के सामने आपको रखना चाहिए और होली की पूजा के दौरान माता लक्ष्मी को यह माला पहनाएं।

हल्दी की गांठ लाएं घर

होली से पहले आपको हल्दी की गांठ भी घर लानी चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हल्दी धन को आकर्षित करती है। इसलिए हल्दी की गांठ को होली से पहले घर लाकर इसे एक पीले कपड़े में बांधकर तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से आपके धन का भंडार हमेशा भरा रहता है।

चांदी का कछुआ लाएं घर

धार्मिक दृष्टि से भी और वास्तु के अनुसार भी चांदी का कछुआ घर में लाना बेहद शुभ माना जाता है। होली से पहले आपको चांदी का कछुआ घर लाना चाहिए और इसे उत्तर दिशा में रखना चाहिए। ऐसा करने से वर्ष भर आपको धन-धान्य की प्राप्ति होती है। साथ ही कछुआ घर में मौजूद नकारात्मकता को भी दूर करता है।

होलिका दहन 2 मार्च को लेकिन 4 को क्यों खेला जाएगा रंग

होलिका दहन दो मार्च को होगा, लेकिन अगले दिन यानी तीन मार्च को रंग नहीं खेला जाएगा। इस बार होलिका दहन के अगले दिन होली नहीं खेली जाएगी, रंग पर्व चार मार्च को मनाया जाएगा। हालांकि ऐसा कम ही देखने को मिलता है। इसका कारण भी है।

भद्रा और चंद्रग्रहण

रंग खेलने को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। होलिका दहन के बाद रंग कब खेलें, इसे लेकर लोगों के मन में शंका उठ रही है। हमेशा होलिका दहन के अगले दिन रंग खेला जाता है, लेकिन अबकी भद्रा और चंद्रग्रहण के कारण होलिका दहन के एक दिन बाद अर्थात चार मार्च को रंग खेला जाएगा।

चंद्रग्रहण के कारण तीन मार्च को रंग नहीं खेला जाएगा

भद्रा में होलिका दहन नहीं किया जाता है। धर्म सिंधु और निर्णय सिंधु के अनुसार भद्रा के चौथे चरण में होलिका दहन हो सकता है। भद्रा का चौथा चरण दो मार्च की रात 12.50 बजे शुरू होगा। इसके बाद होलिका दहन किया जाएगा। हालांकि चंद्रग्रहण के कारण तीन मार्च को नहीं बल्कि चार मार्च को रंग खेला जाएगा।

होलिका दहन में पूर्णिमा तिथि होना आवश्यक

फाल्गुन शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि दो मार्च की शाम 5.18 बजे से लगेगी। इसके साथ ही भद्रा भी रहेगा। पूर्णिमा तिथि तीन मार्च को शाम 4.33 बजे तक रहेगी। होलिका दहन में पूर्णिमा तिथि और रात्रि का समय होना जरूरी है।

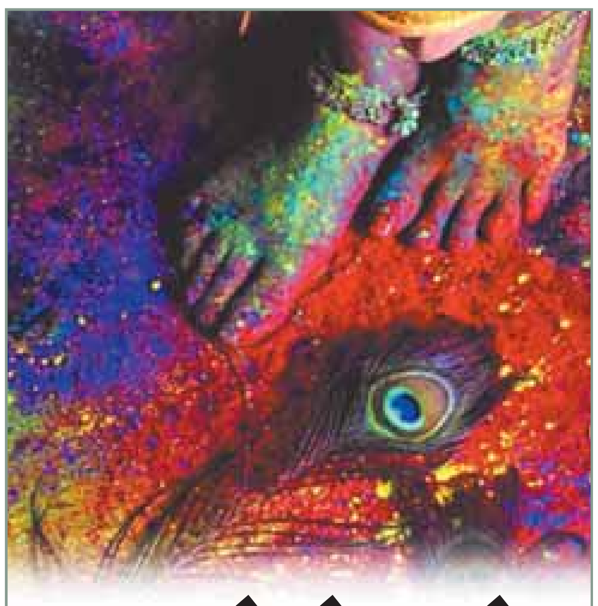

ब्रज में टेसू के फूलों की होली

होलिका दहन के बाद देश के हर हिस्से में होली मनाई जाती है, वृंदावन-मथुरा के केंद्र में स्थित ब्रज में राधा-कृष्ण की पवित्र भूमि में सबसे अनूठा उत्सव मनाया जाता है। ऐसे में हम आपको ब्रज की भूमि में खेली जाने वाली कुछ अजब गजब होली के बारे में बता रहे है। जो अपनी अनूठी परम्पराओं के चलते विश्व भर में प्रसिद्ध है।

यह होली चूंकि ब्रज भूमि के गांव में मनाईं जाती हैं, इसलिए त्यौहार को ब्रज की होली भी कहा जाता है। यहां, उत्सव अक्सर बसंत पंचमी से शुरू होते हैं और होली के अंतिम दिन से 2-3 दिन बाद तक चलते हैं! कुल मिलाकर होली को लेकर ब्रज की अपनी कुछ खास परम्पराएं हैं। ब्रज की प्रमुख होली में अलीगढ़ की टेसू के फूलों की होली, लड्डू की होली- बरसाना,रंगीली गली में लठमार होली- बरसाना, फूलों की होली और रंगबर्नी होली, विधवाओं के लिए गुलाल की होली- वृंदावन,होलिका दहन- बांके बिहारी मंदिर, नंदगांव का हुरंगा- दाऊजी मंदिर खास हैं।

ब्रज की होली का आकर्षण देश ही नहीं दुनिया में देखने को मिलता है। ब्रज की होली की यह ख्याति सदियों से है। स्वर्ग बैकुंठ में होरी जो नांहि, तो कहा करैं लै कोरी ठकुराईकिशनगढ़ रियासत के महाराज नागरीदास का यह पद ब्रज की होली के इस प्राचीन वैभव को दर्शाता है।

वैसे तो बसंत पंचमी से ही ब्रजक्षेत्र में आने वाले अलीगढ़ के मंदिरों में भी होली शुरू हो जाती है। ठाकुर जी की पोशाक, श्रृंगार से लेकर भोग तक में इसकी झलक दिखती है। इसमें ब्रज की प्राचीन पारंपरिक होली से जुड़ा परिदृश्य देखने को मिलता है। भले ही अब होली के परिदृष्य में प्राकृतिक रंग सिर्फ गायन तक ही सिमट कर रह गए हैं। बदलते समय में अब सिर्फ कुछ मंदिरों में टेसू के फूलों का रंग भले ही झइस परंपरा को निभाए हुए हैं। वहीं अलीगढ़ के बाजार टेसू के फूलों से होने वाली ब्रज की इस परंपरा को आज भी कायम रखे हुए है। यहां इसे छोटी होली के नाम से भी पहचाना जाता है। होलिका दहन से पूर्व पुराने शहर के बाजारों में बड़े-बड़े ड्रमों में टेसू के फूलों से तैयार होने वाले रंग से होली खेली जाती है।

मथुरा की होली

वृंदावन में उत्सव समाप्त होने के बाद मथुरा में उत्सव शुरू किया जाता है। मथुरा के श्री द्वारकाधीश मंदिर में कई तरह के रंग बिरंगे और सुगंधित फूलों से होली मनाई जाती है। होली के दिन द्वारकाधीश मंदिर में भव्य समारोह आयोजित किए जाते हैं। उत्सव यहां ही समाप्त नहीं होता है। होली के एक दिन बाद शहर के बाहर दाऊजी मंदिर में दर्शन किए जाते हैं।

दाऊजी मंदिर, नंदगांव का हुरंगा

रंगीन होली के एक दिन बाद यह उत्सव मनाया जाता है। इसमें महिलाएं पुरुषों के कपड़े फाड़ देती हैं और उन्हें अपने फटे-पुराने परिधानों से पीटती हैं। यह विशेष अनुष्ठान केवल दाऊजी मंदिर के प्रांगण में होता है जो मथुरा से लगभग 30 किमी दूर स्थित है।

बांके बिहारी मंदिर दानव होलिका को जलाने का प्रतीक.

होलिका दहन या छोटी होली को होलिका दहन के साथ मनाया जाता है जो दानव होलिका को जलाने का प्रतीक है। यह आमतौर पर रंगवाली होली से पहले शाम को किया जाता है।

भारत में रंगों का उत्सव होली मनाने का एक अलग है अंदाज

भारत में कई स्थानों पर होली का त्योहार मनाया जाता है। चूँकि, भारत एक बड़ा देश है, इसलिए प्रत्येक शहर का रंगों का उत्सव मनाने का एक अलग अंदाज और तरीका है।

मथुरा की होली भारत के अन्य क्षेत्रों में मनाई जाने वाली होली से काफी अलग है। इस क्षेत्र में यह त्योहार होली की औपचारिक शुरुआत से 40 दिन पहले शुरू हो जाता है। वे पर्यटक जो पारंपरिक होली के जश्न का आनंद उठाना चाहते हैं उनके लिए यह स्थान सबसे आदर्श है। ऐसी मान्यता है कि भगवान कृष्ण का जन्म मथुरा में हुआ था, इसलिए यह शहर भारतीय भक्तगणों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। शांति निकेतन उन लोगों के लिए उपयुक्त है जो स्थानीय नृत्य कलाएं सीखना चाहते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेना चाहते हैं। चूँकि, इस क्षेत्र में बहुत सक्रिय पर्यटन विभाग है, इसलिए यह कई विदेशियों को आकर्षित करता है।

पेरुली में होली का जश्न लोक उत्सव पर आधारित होता है जो उस क्षेत्र की पारंपरिक कला और संगीत को प्रदर्शित करता है। चूँकि, पेरुली एक ग्रामीण इलाका है, इसलिए यहाँ मनाया जाने वाला जश्न बड़े भारतीय शहरों में मनाए जाने वाले होली के जश्न से पूरी तरह अलग होता है।

आनंदपुर साहिब में सिख जनसंख्या अपने अंदाज में होली का त्योहार मनाती है। रंग फेंकने के बजाय, इस क्षेत्र के लोग असाधारण मार्शल आर्ट्स प्रदर्शन और प्रतियोगिता आयोजित करते हैं। भारत के इस क्षेत्र में कुश्ती प्रतियोगिताएं और कलाबाजी के प्रदर्शन सामान्य हैं।

अद्भुत होली के जश्न की तलाश में आने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर सबसे अच्छी जगह है। इस शहर में रंगों का उत्सव हाथियों और सुंदर संगीत पर केंद्रित होता है।

आधुनिक होली के जश्न के लिए दिल्ली सबसे अच्छे स्थानों में से एक है। दिल्ली में उत्सव का आनंद लेने के लिए आने वाले लोग सबसे लोकप्रिय गतिविधियों, संगीत और भोजन का आनंद उठा सकते हैं।

होली एक जीवंत त्योहार है जो भारतीय लोगों को अपने दोस्तों और परिजनों के साथ मजेदार गतिविधियों में हिस्सा लेने का अवसर देता है। होली का जश्न होली से एक दिन पहले होलिका दहन के साथ ही शुरू हो जाता है। पारंपरिक रूप से, सर्दी के समापन के प्रतीक के रूप में लकड़ियाँ और सूखे पत्ते एकत्रित करके अलाव में आग जलाना पुरुषों और लड़कों का कार्य होता है। दुर्भाग्य से, होलिका जलाने के लिए हरे-भरे पेड़ों को काटने के साथ वर्तमान में इस परंपरा में परिवर्तन हो रहा है। होली के रंग बहुत विशेष होते हैं और इस दिन का उत्साह बढ़ा देते हैं। पुराने जमाने में, लोगों को लगाने के लिए प्रयोग किये जाने वाले रंग प्राकृतिक होते थे लेकिन अब उनमें से कई रंग कृत्रिम होते हैं और कुछ रंगों में घातक रसायन भी होते हैं जिसकी वजह से कुछ लोगों की त्वचा पर जलन होने लगती है। होली के जश्न के दौरान, लोग एक-दूसरे पर सुगंधित, रंगीन गुलाल डालते हैं।

IAS ने कारोबारी को लौटाया बै'रंग'

राज्य शासन के एक महत्वपूर्ण महकमे के प्रमुख सचिव ने पिछले दिनों एक बड़े कारोबारी को अपने कक्ष से बैरंग लौटा दिया। कारोबारी एक मामले के निकाल के लिए येन केन प्रकारेण मदद मांगने पहुंचा था, लेकिन प्रमुख सचिव ने उलटे पैर लौटा दिया। सूत्र बताते हैं कि राज्य सरकार ने

मोहन का मंत्रालय
आशीष चौधरी

पिछले दिनों इस कारोबारी के कामकाज का लाइसेंस को निरस्त कर दिया है। कारोबारी लाइसेंस निरस्त होने पर सरकार को आर्थिक नुकसान का हवाला देते हुए प्रमुख सचिव से मामले का समाधान करने की गुहार लगा रहा था। मामला हाई लेवल का होने और कारोबारी की इमेज के चलते प्रमुख सचिव ने कारोबारी को टरका दिया। बता दे कि यह कारोबारी सरकार को अच्छा खासा राजस्व देता है और सरकार की कार्रवाई से पहले इस कारोबारी को अधिकारी हाथों-हाथ लेते थे।

तंत्र का अमानवीय फरमान

प्रदेश के एक बड़े जिले के कलेक्टर ने एक मामले की सुनवाई के दौरान एक महिला को प्रधानमंत्री आवास देने का आश्वासन दिया। साथ ही विवादित मकान 2 दिन में खाली करने का अल्टीमेटम भी दे दिया और अधिकारी को भी उस विवादित मकान पर तहसील कार्यालय खोलने का हुक्म दे दिया। कलेक्टर के इस तत्काल आदेश की सराहना और आलोचना दोनों हो रही है। दरअसल कलेक्टर एक विवादित मकान को लेकर सुनवाई कर रहे थे। विवादित मकान पर दोनों पक्ष अपना अपना दावा जाता रहे थे लेकिन दोनों पक्षों के पास मकान के स्वामित्व से संबंधित कोई भी दस्तावेज नहीं था लेकिन विवादित मकान पर महिला अपने बच्चों सहित रह रही थी और उसका कब्जा था। कलेक्टर ने विवादित मकान से महिला व उसके परिवार को जो सालों से रह रहा था बेदखल करने का फरमान दे दिया। महिला गुहार लगाती रही कि वह परीक्षा के इस समय में बच्चों को लेकर कहां जाएगी, लेकिन कलेक्टर ने महिला को विवादित मकान की स्वामित्व संबंधी कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने के चलते मकान दो दिन में खाली करने का फरमान सुना दिया। आश्वासन, अल्टी मेटम और एक्शन के चलते कलेक्टर साहब की खूब चर्चा हो रही है। इसे महिला के लिए राहत माने या अमानवीय व्यवहार तंत्र।

मालवा की माटी और सियासत की जुगाली...

कहते हैं कि मालवा में जब सूबे की निर्णायक टीम किसानों की फिक्र में सिर खपाने बैठी, तो सबकी नजरें उस खास चेहरे को ढूंढती रहीं जिसके बिना यहाँ की राजनीति की फोटो अधूरी मानी जाती है। पर साहब तो नदारद थे। उनकी खाली कुर्सी ने बैठक के एजेंडे से ज्यादा शोर मचा दिया। चर्चा तो यह है कि साहिब की नाराजगी का पारा थर्मामीटर तोड़ चुका है। गलियारों में कानाफूसी है कि भोपाल से लेकर दिल्ली के दरबार तक उनकी खामोशी की गूँज सुनाई दे रही है। वैसे तो साहिब पहले भी कई अति-महत्वपूर्ण बैठकों से वे गायब रहे, हर बार कोई न कोई बहाना ढाल बना लिया जाता है, और इस बार भी दबे सुरों में कुछ वजह सामने आएगी। सियासी हलकों में लोग चटखारे लेकर पूछ रहे हैं- 'क्या साहिब की पटरी से उतर गई है। दिल्ली ने साहिब को तलब किया या अपनी नाराजगी जताने साहिब दिल्ली दौर कर आए हैं। चर्चा है कि दिल्ली ने उन्हें समझावन दिया है पर अगर दिल्ली की समझाइश में असर होता, तो मालवा की जाजम पर साहिब की मौजूदगी का इत्र जरूर महकता।'

सिंगरौली में महिला ने पति की 'प्रेमिका' की बच्ची का गला घोंटा, 10 दिन बाद खुला राज, रजाई में छुपाकर रखा शव

सिंगरौली (नप्र)। मध्य प्रदेश के सिंगरौली में एक महिला ने खौफनाक वारदात को अंजाम दिया है। महिला को शक था कि उसके पति का पड़ोस में रहने वाली महिला से अवैध संबंध है। इसका बदला लेने के लिए महिला ने पति की प्रेमिका की बच्ची का अपहरण किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी। सिंगरौली पुलिस ने मामले का खुलासा कर दिया है। साथ ही आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है।

ये है मामला- दरअसल, सिंगरौली जिले के बगदरा चौकी क्षेत्र के निवारी में एक मासूम बच्ची की हत्या हुई थी। सिंगरौली पुलिस को घटना के 10 दिन बाद सफलता मिल गई है। साथ ही आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी महिला रानी देवी को शका था कि उसके पति का अवैध संबंध है। इसलिए पड़ोस में रहनी वाली महिला के 18 माह की मासूम बच्ची का अपहरण किया है।

घर ले जाकर कर दी हत्या- 18 माह की बच्ची को लेकर महिला घर गई। इसके बाद गला और मुंह दबाकर हत्या कर दी। मृतका के बाबा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उनकी पोती घर से अचानक गायब हो गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और अगले दिन सुबह मासूम बच्ची का शव उसके घर से करीब 500 मीटर दूर खेत में मिला।

पीएम रिपोर्ट से खुला राज- शव मिलने के बाद उसका पीएम करवाया गया। इससे साफ हुआ कि मासूम बच्ची की गला और मुंह दबाकर हत्या की गई है। पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की तो रानी देवी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। इसके बाद पूरे मामले का पर्दाफाश हो गया है।

शव निकालकर हुआ पोस्टमार्टम- सिंगरौली एसपी मनीष खत्री ने कहा कि 19 फरवरी 2026 को एक व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि सुबह नौ बजे उनकी पोती घर के बाहर से गायब हो गई। इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। अगले दिन घर के पास गेहूं की खेत में बच्ची का शव बरामद हुआ। पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इसके बाद परिजनों ने आवेदन देकर जांच की मांग की थी। इसके बाद शव को कब्र से निकाला गया और रीवा में फॉरेंसिक जांच हुई।

एसपी ने कहा कि पीएम रिपोर्ट से साफ हुआ कि उसकी हत्या हुई है। इसके बाद पता चला कि पड़ोस में रहने वाली रानी देवी ने उसकी हत्या की है। एसपी ने कहा कि शंका की वजह से बच्ची की हत्या की। कुछ दिन पहले मृतका की मां के साथ आरोपी का झगड़ा भी हुआ था। हत्या के बाद बच्ची के शव को घर के अंदर रचाई में छिपा दिया था।

विटामिन डी और बी12 की कमी से हार्टअटैक का खतरा

भोपाल में 10 में से 8 पेशेंट में मिली कमी, बढ़ा होमोसिस्टीन दिल-दिमाग-किडनी के लिए बना खतरा

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक 44 वर्षीय सुयश मल्होत्रा को अचानक सीने में दर्द हुआ। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया। कोलेस्ट्रॉल और अन्य जांचें लगभग ठीक थीं, लेकिन रिपोर्ट में एक पैरामीटर ने तस्वीर बदल दी।

मरीज का होमोसिस्टीन का स्तर काफी बढ़ा हुआ था। डॉक्टरों के अनुसार यही बढ़ा हुआ स्तर धमनी में थक्का बनने की वजह बना। इसी तरह 41 वर्षीय एक अन्य मरीज में भी हार्ट अटैक के बाद जांच में यही पैटर्न सामने आया।

भोपाल में एम्स, हमीदिया अस्पताल और निजी अस्पतालों की कार्डियोलॉजी ओपीडी में आ रहे युवा मरीजों की रिपोर्ट बताती है कि हर 10 में से 8 मरीजों में विटामिन डी और बी12 की कमी मिल रही है।

यही कमी होमोसिस्टीन बढ़ाकर हृदय, मस्तिष्क और अन्य अंगों को प्रभावित कर रही है। वरिष्ठ कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. किसलय श्रीवास्तव का कहना है कि यह अलार्म है। अब जीवनशैली को लेकर अलर्ट होना जरूरी है।

मातम में बदलीं त्योहार की खुशियां

जबलपुर में रफ्तार का कहर, तीन अलग-अलग सड़क हादसों में 3 मौतें

जबलपुर (नप्र)। जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दर्दनाक सड़क हादसों में एक 14 साल के किशोर सहित तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। इन घटनाओं के बाद मृतक के परिवारों में कोहराम मच गया है।

पाटन- गुलाल खरीदने गए थे, घर लौटी लाश- पाटन इलाके के साहू मोहल्ला निवासी मनोज साहू (44) अपने भतीजे सौरभ के साथ मोटरसाइकिल से बाजार गए थे। दोनों त्योहार के लिए रंग-गुलाल खरीदकर वापस लौट रहे थे, तभी बगदरी वाटरफॉल मोड़ पर एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उन्हें पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मनोज ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

कोतवाली- खड़ी कार से टकराई बाइक- शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में भी एक दुखद हादसा हुआ। शांति नगर के रहने वाले 21 वर्षीय सत्येंद्र विश्वकर्मा अपनी बाइक से जा रहे थे, तभी बल्देवबाग के पास उनकी बाइक सड़क किनारे खड़ी एक कार के पिछले हिस्से से जा टकराई। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण सत्येंद्र की जान चली गई।

भेड़ाघाट- ट्रैक्टर की चपेट में आए दो दोस्त- भेड़ाघाट के बिलखरवा गांव में भी ट्रैक्टर काल बनकर दौड़ा। यहां रहने वाला 14 वर्षीय विकास गौड़ अपने दोस्त सोनी ठाकुर के साथ जा रहा था, तभी एक ट्रैक्टर ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने विकास को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके दोस्त सोनी की हालत फिलहाल खतरे से बाहर बताई जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव और कैबिनेट मंत्रियों ने

निमाड़-मालवा के लोक देवता भीलट देव से सभी की समृद्धि के लिए की कामना

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और कैबिनेट मंत्रियों ने सोमवार को निमाड़-मालवा के लोक देवता भीलट देव का दर्शन कर प्रदेश के किसानों की सुख समृद्धि की कामना करते हुए पूजा-अर्चना की। किसान कल्याण वर्ष में बड़वानी जिले के नागलवाड़ी में आयोजित कैबिनेट बैठक के पहले दर्शन लाभ लेने के बाद सतपुड़ा की पहाडी पर विराजित लोक देवता के रमणीय स्थल की सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनजाति लोक उत्सव भगोरिया पर्व के अंतिम भगोरिया में बड़वानी जिले के जुलवानिया में

उल्लास पूर्वक शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। भीलट देव निमाड़-मालवा क्षेत्र के आराध्य देव है। आज वे आराध्य के दर्शन के साथ ही कैबिनेट बैठक की शुरूआत करेंगे। कैबिनेट में जो भी निर्णय लिये जायेंगे वे प्रदेशवासियों एवं किसानों के हितार्थ होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह भी कहा कि निमाड़वासी बड़े सौभाग्यशाली हैं जो उन्हें मां नर्मदा का आंचल मिला है। मां नर्मदा के जल से ही सिंचाई करके निमाड़ क्षेत्र के किसान समृद्ध एवं प्रगतिशील हो रहे हैं। आज निमाड़ क्षेत्र के किसान कृषि एवं उद्यानिकी की एक से अधिक फसलें लेकर आर्थिक रूप से भी उन्नति कर रहे हैं। मां नर्मदा का जल सूक्ष्म उन्नयन सिंचाई परियोजनाओं से बड़वानी जिले सहित निमाड़ क्षेत्र में किसानों को सिंचाई के लिये मिल रहा है। किसानों की आर्थिक उन्नति से ही प्रदेश की उन्नति होगी प्रदेश की सरकार ने वर्ष 2026 को किसान कल्याण वर्ष घोषित किया है, जिससे किसानों को और अधिक समृद्ध एवं संपन्न बनाया जाए। उन्होंने किसानों से यह अपील भी कि की मृदा की उर्वराशक्ति बनाए रखने के लिए किसान भाई रासायनिक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती को अपनाएं। शुरुआती वर्षों में प्राकृतिक खेती में उत्पादन कम होगा लेकिन उससे प्रारंभ में मृदा की उर्वराशक्ति बढ़ेगी और फिर धीरे-धीरे उत्पादन की क्षमता भी बढ़ती जाएगी।

भीलट देव मंदिर अत्यंत रमणीय एवं सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संपूर्ण मंदिर परिसर को देखते हुए कहा कि सतपुड़ा की सुरम्य वादियों में बसा हुआ नागलवाड़ी भीलट देव मंदिर अत्यंत रमणीय एवं सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण स्थल है। भीलट देव के तपस्या स्थल पर बने मंदिर के जीर्णोद्धार में निमाड़ के संत श्री सियाराम बाबा का भी अमूल्य योगदान है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।

निमाड़ के खेत और बाड़ियों में उपजने वाली फसलों की प्रदर्शनी का अवलोकन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट से पहले निमाड़ के फार्म/खेतो और बाड़ियों में उपजने वाली फसलों का परिसर में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव को किसानों ने निमाड़ की कृषि पद्धतियों के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी के सम्बंध में बड़वानी कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह ने प्रस्तुतिकरण भी दिया।

भगोरिया मेले में नाबालिग की हत्या, धक्का लगने पर हुआ था विवाद, 4 गिरफ्तार, आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल

आलीराजपुर (नप्र)। आलीराजपुर की सोंडवा पुलिस ने वालपुर के भगोरिया मेले में हुई नाबालिग की हत्या का मामला 48 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस मामले में तीन बालिग और एक नाबालिग सहित कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। नाबालिग की हत्या मामूली धक्का लगने के विवाद के बाद चाकू मारकर की गई थी। इस घटना का वीडियो भी सोमवार को सामने आया है, जिसमें कई युवक एक नाबालिग को बेरहमी से पीट रहे हैं।

धक्का लगाने की बात से शुरू हुआ था विवाद- यह घटना 27 फरवरी को सोंडवा थाना क्षेत्र के ग्राम वालपुर में आयोजित भगोरिया मेले के दौरान शाम 4 से 5 बजे के बीच हुई थी। मेले में दो पक्षों के युवकों के बीच धक्का लगने को लेकर विवाद शुरू हुआ। विवाद बढ़ने पर एक पक्ष के अज्ञात युवकों ने तलावद (थाना उदयगढ़) निवासी एक नाबालिग बालक पर लात-घूंसों से हमला किया और धारदार चाकू से उसके पेट, पीठ और छाती पर वार किए।

कार में जिंदा जले पिता-पुत्र... छिंदवाड़ा में बोलेरो से टकराने के बाद सीएनजी टैंक में धमाका, बाहर निकलने का मौका नहीं मिला

छिंदवाड़ा (नप्र)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में बोलरो से टकराकर कार के सीएनजी टैंक में ब्लास्ट होने से आग लग गई। भीषण हादसे में पिता-पिता पुत्र की कार के अंदर की जलकर मौके पर मौत हो गई। कार में जिंदा जलने का वीडियो भी सामने आया है। हादसा कुंडीपुरा थाना क्षेत्र के सिवनी रोड पर हुआ है।

जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान 61 वर्षीय अमृत सिंह और 22 वर्षीय पुत्र अरुण सिंह के रूप में की गई है। डब्ल्यूसीएल के रिटायर्ड कर्मचारी थे। छिंदवाड़ा के परासिया के दिघावानी में पत्नी, बेटा और भाई रहते हैं। उत्तर प्रदेश में पुश्तैनी गांव गए थे। वहां से लौट रहे थे। घर पहुंचने से 40 किलोमीटर पहले हादसे का शिकार हो गए।

बेटा चला रहा था कार, झपकी आने से हादसा- स्थानीय लोगों के मुताबिक कार तेज रफ्तार में थी। कार अमृत सिंह के बेटे अरुण सिंह चला रहा था। लंबा समय तक ड्राइविंग करने की वजह से रात करीब 3 बजे ड्राइवर को झपकी आ गई। गाड़ी बकाबू हो गई। सड़क किनारे लगे साइन बोर्ड से टकराई।

इसके बाद जय अम्बे गैरेज के सामने खड़ी बोलेरो से जा भिड़ी। इस दौरान कार में लगे सीएनजी सिलेंडर में आग लग गई। देखते ही देखते कार आग का गोला बन गई। कार में सवार पिता-पुत्र को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। आग इतनी भयानक थी कि गैरेज में खड़ी दो अन्य गाड़ियां भी जलकर खाक हो गईं।

तेजाब डाल दूंगा बोलकर महिला से रेप

होटल में पीटा, घर में बंधक बनाकर की वारदात, आरोपी ने अपनी कलाई काटी, बोला-तुझे भी मार डालूंगा

धामनोद (नप्र)। मध्य प्रदेश के धार जिले में युवक ने 36 वर्षीय शादीशुदा महिला पर तेजाब डालने की धमकी देकर रेप किया है। आरोपी ने संबंध बनाने से इनकार करने पर महिला को कई बार पीटा भी है। महिला आरोपी से बचने के लिए भागकर एक होटल में गई, वहां भी मारपीट की। मामला धामनोद थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक आरोपी का नाम सावन चौहान है, जो नजरपुर का रहने वाला है। ट्रैवल्स का काम करता है। खुद की गाड़ी भी चलाता है। महिला की शिकायत के बाद धामनोद पुलिस ने मामले की जांच की। रेप के आरोप में सावन को अरेस्ट कर लिया है।

ट्रैवल गाड़ी बुकिंग से शुरू हुई पहचान- पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पति इंदौर में इलेक्ट्रिक का काम करते हैं। 15-20 दिन के लिए घर आते हैं। करीब चार महीने पहले वह महाराष्ट्र में अपनी बहन की शादी में शामिल होने के लिए ट्रैवल गाड़ी बुक करना चाहती थी। इस सिलसिले में उसकी पहचान नजरपुर निवासी सावन चौहान से हुई।

पीड़िता ने बताया कि इसी दौरान दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई। जान-पहचान बढ़ी। 11 नवंबर 2025 को जब वह घर पर अकेली थी, तब आरोपी उसके घर आया। उससे दुष्कर्म किया।

आरोपी ने उसे घटना के बारे में किसी को बताने पर तेजाब डालने की धमकी दी। इसके बाद लगातार घर में आता था और रेप करता था।

मारपीट और पैसे की मांग का आरोप- पीड़िता ने बताया कि 26 फरवरी 2026 की रात करीब 11:30 बजे आरोपी उसके घर पहुंचा। उसे बाहर बुलाया। बाहर आने पर उसने पैसों की मांग की। इनकार करने पर मारपीट करने पर जमकर पीटा।

इसके बाद 27 फरवरी की शाम आरोपी फिर से घर आया। महिला का हाथ पकड़कर जबरन बाइक पर बिठाकर अपने गांव नजरपुर ले गया। वहां उसे एक कमरे में बंद कर दिया। आरोपी ने जबरन शादी के लिए दबाव बनाया।

आरोपी ने हाथ काटा, फिर कहा तुझे भी जान से मार दूंगा- महिला का आरोप है कि शादी से इनकार करने पर आरोपी ने रेजर से खुद को घायल कर लिया। हाथ हाट लिया। आरोपी ने कहा कि अगर शादी नहीं करेगी तो तुझे जान से मार दूंगा। धमकी के बाद आरोपी ने पूरी रात कमरे में बंद रखा।

पीड़िता के अनुसार, 28 फरवरी की सुबह आरोपी के हाथ से खून बहता रहा। इसके बाद वह धामनोद के सरकारी अस्पताल लेकर गया। इलाज करा रहा था, तभी अस्पताल में मौका पाकर महिला वहां से निकल गई। सीधे धामनोद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।